संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 163
पृष्ठ 8
रविवार
02 मार्च 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- इस होलिका दहन पर मालपुए...

विचार- दक्षिणपंथी वैचारिकी के दो रूप

खेल- शमी की जगह इस गेंदबाज को...

बजट में कृषि, ग्रामीण विकास को बनाया गया है विकसित भारत की पहल का पहला स्तम्भ-मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वित्त वर्ष 2025–26 के बजट में कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र के विकास को विकसित भारत के सपने की दिशा में प्रयासों का पहला स्तम्भ बनाया गया है । श्री मोदी ने कहा कि उनकी तीसरी सरकार के इस पहले पूर्ण यह बजट सरकार की नीतियों में स्थायित्व और विकसित भारत के सपने का विस्तार है। श्री मोदी कृषि और ग्रामीण समृद्धि पर सरकार द्वारा आयोजित बजट–पश्चात वेबिनार को संबोधित कर रहे थे, जिसमें देश भर के नीति नियामक, अधिकारी और हितधारकों ने भाग लिया।

उन्होंने कहा कि बजट में कृषि को देश के विकास का स्तम्भ बताया गया है और 1947 तक विकसित भारत के लक्ष्य में विकसित और समृद्ध किसान का लक्ष्य भी शामिल है। श्री मोदी ने कहा, "इस बजट में हमारी नीतियों में निरंतरता दिखी ही है, साथ ही विकसित भारत के विजन में नया विस्तार भी दिखा है।" उन्होंने कहा, "विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे भारत के संकल्प बहुत स्पष्ट हैं। हम सभी मिलकर एक ऐसे भारत के निर्माण में जुटे हैं, जहां किसान समृद्ध हो, सशक्त हो। हमारा प्रयास है कि कोई किसान पीछे न छूटे।"

प्रधानमंत्री बजट–पश्चात अलग–अलग वेबिनार में अर्थव्यवस्था के विभिन्न खंडों से संबंधित बजट प्रस्तावों पर हितधारकों की सामूहिक चर्चा कराते हैं, ताकि बजट की सोच को मिल कर तेजी से क्रियान्वयन के स्तर पर लाया जा सके। उन्होंने सहभागियों से कहा, "आप चर्चा में नया बजट बनाने की मांग न करें, बल्कि बजट की घोषणाओं को क्रियान्वित करने पर चर्चा करेंगे।" श्री मोदी ने दलहन जैसे कृषि उत्पादों के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने की आवश्कता पर बल देते हुए शनिवार को कहा कि इसके लिए किसानों को मुनासिब दाम पर बराबर अच्छे बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था बहुत जरूरी है और उन्त बीजों की बाजार श्रृंखला में निजी क्षेत्र को सक्रियता से भाग लेने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि सरकार के विशेष प्रयासों से दलहन उत्पादन बढ़ा है और चना तथा मूंग के मामले में देश आत्म निर्भर हो गया है पर कुल मिला कर दालों के मामले में भारत अब भी 20 प्रतिशत आयात पर निर्भर है। इस निर्भरता को दूर करने के लिए अरहर, उड़द और मसूर आदि का उत्पादन बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि इस बार के बजट में इस सम्बंध में विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने कृषि को विकास का पहला इंजन मानते हुए अपने अन्नदाताओं को गौरवपूर्ण स्थान दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत छह साल में 11 करोड़ किसानों के खातों में सीधे लगभग पौने चार लाख करोड़ रुपए मिल चुके हैं। इतनी राशि करीब–करीब सीधे पहुंचाई गई है।

श्री मोदी ने हमने एक किसान केंद्रित डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है, ताकि देशभर के किसानों तक इस योजना का लाभ पहुंच सके। उन्होंने कहा कि 10–11 साल पहले जो कृषि उत्पादन 26.5 करोड़ टन के करीब था, वह अब बढ़कर 33 करोड़ टन से ज्यादा हो गया है। उन्होंने कहा, "यह हमारी सरकार के 'बीज से बाजार तक' के दृष्टिकोण का परिणाम है। हमने बजट में श्पीएम धन धान्य कृषि योजनाश का ऐलान किया है। इसके तहत देश के 100 सबसे कम कृषि उत्पादकता वाले जिले... निम्न उत्पादकता वाले जिलों के विकास पर फोकस किया जाएगा। आज लोगों में पोषण को लेकर काफी जागरूकता बढ़ी है।"

अश्विनी वैष्णव ने की बुलेट ट्रेन परियोजना के आणंद नाडियाड स्टेशन में निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा

नाडियाड। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को यहां हाईस्पीड रेलवे (बुलेट ट्रेन) परियोजना के आणंद नाडियाड स्टेशन में निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। रेल मंत्री ने बुलेट ट्रेन परियोजना में काम कर रहे श्रमिकों और कर्मचारियों से मुलाकात की और उनकी कुशल क्षेम पूछी। श्री वैष्णव उनके साथ जमीन पर बैठे और तस्वीरें खिंचवाईं। रेल मंत्री ने श्रमिकों को देश निर्माण में योगदान देने के लिए बधाइयाँ दीं। श्रमिकों ने भी जोश में आकर भारत माता की जय के नारे लगाये। श्रमिकों ने कहा कि जब सरकार और मंत्री हमें इतनी इज्जत देते है तो हम अपना सब कुछ लगा कर जी जान से काम करेंगे। श्री वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि बुलेट–ट्रेन परियोजना बहुत तेजी से बढ़ रही है। भारतीय विशेषज्ञों ने गुणवत्ता और गति के मामले में अद्वितीय प्रदर्शन किया है और जापान के विशेषज्ञ भी इसकी प्रशंसा कर रहे हैं हालांकि, उन्होंने इस परियोजना के पूरे होने की समय सीमा के बारे में कुछ नहीं कहा।

इससे पहले उन्होंने बुलेट ट्रेन परियोजना में आणंद के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग 48 को पार करने के लिए देश में पहली बार बनाए गए 100 मीटर के गर्डर को भी देखा। शत प्रतिशत भारतीय इस्पात का उपयोग करके हापुड़ के सालासर संयंत्र में स्टील गर्डर घटकों का निर्माण सफलतापूर्वक तैयार किया गया है। स्टील को टाटा, जेएसडब्ल्यू और सेल जैसे प्रमुख निर्माताओं से प्राप्त किया गया है, जिससे परियोजना के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री सुनिश्चित हुई। निर्माण की गति बढ़ाने के लिए, स्टील गर्डर की असेंबली में विशेष 'टीएचएसबी' बोल्ट का उपयोग किया गया है। इन उच्च शक्ति वाले बोल्टों का उत्पादन पूरी तरह से भोपाल के उन्ब्राको कारखाने में किया गया है, जिसमें महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में उन्नत भारतीय विनिर्माण की भागीदारी को प्रदर्शित किया गया है। पुल के स्थायित्व के लिए, सी 5 पेंट सिस्टम, जो अपने 20 साल के सेवा जीवन के लिए जाना जाता है, का उपयोग किया गया है। पेंट सामग्री का निर्माण पूरे भारत में निप्पॉन कारखानों में किया गया है, जो पर्यावरणीय कारकों के खिलाफ लंबे समय तक चलने वाली सुरक्षा सुनिश्चित करता है और स्टील पुलों के जीवनकाल को बढ़ाता है। गर्डर का सपोर्ट करने के लिए मैगेबा द्वारा अपने कोलकाता संयंत्र में धातु से घिरे इलास्टोमेरिक बीयरिंग का निर्माण किया गया है।

नीतीश–भाजपा सरकार ने 20 वर्षों में दो पीढ़ियों का जीवन बर्बाद कर दिया – तेजस्वी

पटना। बिहार विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव ने आरोप लगाते हुए कहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने 20 वर्षों में दो पीढ़ियों का जीवन बर्बाद कर दिया है। श्री यादव ने शनिवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि बिहार में 15 साल पुरानी गाड़ी चलाने की अनुमति नहीं है क्योंकि वो ज़्यादा धुआं फेंकती है, प्रदूषण बढ़ाती, जनता के लिए हानिकारक है तो फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)की 20 साल पुरानी जोड़–तोड़, पलटा–पलटी वाली खटारा सरकार क्यों चलेगी। नेता प्रतिपक्ष ने श्री कुमार की सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि 20 वर्षों की नीतीश सरकार ने विगत 20 साल में बिहार के हर गली–हर टोला–हर गाँव में गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध और पलायन रूपी भयंकर प्रदूषण फैला दिया है।उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि नीतीश–भाजपा सरकार ने 20 वर्षों में दो पीढ़ियों का जीवन बर्बाद कर दिया। अब यह सरकार बिहारवासियों पर बोझ बन चुकी है। अब इसे बदलना अति आवश्यक है। श्री यादव ने कहा कि बिहार के युवाओं ने ठान लिया है कि अब 20 साल पुरानी खटारा, जर्जर, बीमार और थकी हुई अविश्वसनीय नीतीश–राजग सरकार को हटा कर एक नई सोच, नए विजन, नए जोश और नयी दिशा वाली युवा एवं नौकरी–रोजगार एवं विकास कार्यों को समर्पित विश्वसनीय जुनूनी सरकार को लाना है तथा नया बिहार बनाना है।

नीतीश ने 59028 विशिष्ट शिक्षकों को सौंपे नियुक्ति पत्र, कहा-हर वर्ग का विकास प्राथमिकता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण 59028 विशिष्ट शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद कहा कि उन्होंने सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम किया है।

श्री कुमार ने शनिवार को यहां मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में आयोजित कार्यक्रम में 59 हजार 28 विशिष्ट शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद अपने संबोधन में कहा, "हमलोगों ने शुरू से ही सभी वर्गों चाहे हिंदू हों, मुसलमान हों, अगड़ा हों, पिछड़ा हों, अति पिछड़ा हों, दलित हों, महादलित हों उनके उत्थान के लिए कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए भी कई कार्य किए गए हैं। सभी क्षेत्रों में महिलाएं आगे आ रही हैं। शिक्षक के रूप में बड़ी संख्या में महिलाएं बहाल हुई हैं।

उन्होंने कहा, "मैं आज सभी शिक्षकों से कहना चाहता हूं कि वे अच्छे से बच्चों को पढ़ाएं और उनका विकास करें। मैं शिक्षा मंत्री से भी कहना चाहता हूं कि वे शिक्षण कार्य पर निरंतर निगरानी रखें। सभी बच्चे मन लगाकर पढ़ें। बच्चों को पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा नहीं हो, इसपर सबलोग विशेष ध्यान रखें।" श्री कुमार ने कहा कि जब हमलोगों को यहां काम करने का मौका मिला तो शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरी के लिए कई कदम उठाए गए। शिक्षकों की अत्यधिक कमी होने के कारण वर्ष 2006–07 से पंचायत एवं नगर निकायों के माध्यम से बड़े पैमाने पर नियोजित शिक्षकों की नियुक्ति की गई, जिनकी कुल संख्या लगभग तीन लाख 68 हजार है। वर्ष 2023 के बाद से सरकारी शिक्षकों की बहाली के लिए बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा परीक्षा ली गई जिसमें 28 हजार नियोजित शिक्षक भी परीक्षा उत्तीर्ण कर सरकारी शिक्षक बने।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने तय किया कि नियोजित शिक्षकों के लिए अलग से परीक्षा ली जायेगी और उन्हें इसके लिए पांच अवसर दिये जायेंगे।

मणिपुर के सभी रास्तों पर निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करें- शाह

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर के सभी रास्तों पर आठ मार्च से निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने और अवरोध उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं । श्री शाह ने शनिवार को यहां मणिपुर की सुरक्षा स्थिति पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार मणिपुर में चिरस्थायी शांति बहाली के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए हरसंभव सहायता दे रही है। गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि आठ मार्च से मणिपुर के सभी रास्तों पर जनता की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित की जाए और रास्ते में अवरोध उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जबरन उगाही के सभी मामलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखी जाए। श्री शाह ने कहा कि मणिपुर से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर आवाजाही के लिए चिह्नित किए गए प्रवेश स्थानों के दोनों तरफ बाड़ लगाने के काम को जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि मणिपुर को नशामुक्त बनाने के लिए नशे के व्यापार में लिप्त पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए। बैठक में मणिपुर के राज्यपाल, केन्द्रीय गृह सचिव, निदेशक, आसूचना ब्यूरो, सह सेनाध्यक्ष, सेना कमांडर (पूर्वी कमान), सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल और असम राइफल्स के महानिदेशक, सुरक्षा सलाहकार, मणिपुर और गृह मंत्रालय और सेना तथा मणिपुर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

लोकरंजन प्रकाशन और शहर समता विचार मंच

के संयुक्त तत्वावधान में

लोकार्पण एवं काव्यगोष्ठी

वरिष्ठ कवयित्री प्रेमा राय के कविता- संग्रह 'पत्थर बोलते हैं' का लोकार्पण

अध्यक्षता - वरिष्ठ साहित्यकार अनवार अब्बास नकवी
मुख्य अतिथि - डॉ ऊषा मिश्रा,
विशिष्ट अतिथि - प्रो. रवि मिश्रा, डॉ प्रदीप चित्रांशी

दिन - रविवार 9 मार्च 2025
समय - दिन में 12 बजे से

स्थान - हिन्दुस्तानी एकेडमी का सभागार

लोकरंजन प्रकाशन रंजन पाण्डेय
साहित्यिक संयोजक रचना सक्सेना
कार्यक्रम संयोजक संजय सक्सेना
संस्थापक एवं संपादक उमेश श्रीवास्तव

छोटे निवेशकों के हित में पारदर्शी बाजार नियामक जरूरी- राहुल

नयी दिल्ली।लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शेयर बाजार में रिकॉर्ड गिरावट के कारण मचे कोहराम पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि छोटे निवेशकों के हित के लिए वर्तमान माहौल में पारदर्शी बाजार नियामक व्यवस्था की सख्त जरूरत है। श्री गांधी ने शनिवार को कहा कि शेयर बाजार में भूचाल आया हुआ है और ऐसी स्थिति में छोटे निवेशकों को हो रहा नुकसान उनके लिए चिंता का विषय बन गया है। उनका कहना है कि खुदरा निवेशकों की सुरक्षा को जरूरी बताते हुए कहा कि इसके लिए पारदर्शी निवेदक व्यवस्था आवश्यक है। उन्होंने कहा, "जब–जब बाजार गिरता है, खुदरा निवेशक का ही सबसे ज़्यादा नुकसान होता है। मेरे लिए मध्यमवर्ग से आने वाले इन खुदरा निवेशकों के बचत, हितों और निवेश की रक्षा करना सबसे अहम है–और इसके लिए सबसे जरूरी है पारदर्शी बाजार नियामक।"

मंत्री नंदी ने त्रिवेणी में 21 बार से ज्यादा किया स्नान

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। महाकुम्भ के पावन अवसर पर औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने श्रद्धा और आस्था के साथ 21 से अधिक बार त्रिवेणी में स्नान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित 54 से अधिक विशिष्ट अतिथियों का महाकुम्भ में गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया। मंत्री नंदी ने पौष पूर्णिमा से लेकर माघी पूर्णिमा तक कई विशेष अवसरों पर संगम स्नान किया। उन्होंने कैबिनेट बैठक के दौरान पूरे मंत्रिमंडल के साथ, भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, ओम बिरला, पीयूष गोयल जैसे नेताओं के साथ पुण्य की डुबकी लगाई। देश–विदेश से आए विशिष्ट अतिथियों ने महाकुम्भ की दिव्यता, व्यवस्थाओं और उत्तर प्रदेश सरकार के समर्पण की सराहना की। महाकुम्भ के इस महासमागम ने एक बार फिर भारत की सांस्कृतिक विरासत, अध्यात्म और अखंड आस्था की अद्भुत छवि प्रस्तुत की। मंत्री नंदी की अगुआई में प्रयागराज ने अतिथियों को आत्मीयता से अपनाया, जिससे यह आयोजन ऐतिहासिक बन गया। मंत्री नंदी ने पहली बार 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा पर पूर्व महापौर यानी अपनी पत्नी अभिलाषा गुप्ता के साथ डुबकी लगाई और इसके बाद यह सिलसिला जारी रहा।

करेली दुर्गापूजा पार्क में 200 लोगों ने कराई जांच

प्रयागराज। दुर्गा पूजा पार्क में एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 200 से अधिक लोगों ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया। शिविर में निःशुल्क दवा वितरण, खून की जांच, और इकोकार्डियोग्राफी जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। इस अवसर पर उपस्थित सभी नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने पर विशेष जोर दिया गया। डॉक्टर राजीव सिंह, डॉ. तारिक, डॉ. रोहित वर्मा, डॉ. साबिया खान और डॉ. पुष्कर ने स्वास्थ्य परामर्श एवं सेवा की। इस कार्यक्रम में समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों एवं समाजसेवकों की भी उपस्थिति रही, जिनमें ज्ञानेंद्र श्रीवास्तव तथा मोहम्मद तौसीफ हसन मुहम्मद अकरम (शगुन) अजय मौर्य मनजीत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

चौपाल के जरिए जारी रहेगी सपा की पीडीए पर चर्चा

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी चौपाल के जरिए पीडीए पर चर्चा जारी रखेगी। 26 जनवरी से 26 फरवरी तक एक माह के लिए चलाए गए पीडीए जागरुकता अभियान के समापन के बाद पार्टी नेतृत्व ने इसे चौपाल के जरिए जारी रखने का निर्णय लिया है। पार्टी मुख्यालय से आए निर्देश के क्रम में सपा की जिला इकाई ने गुरुवार को बैठक की। पार्टी के जिलाध्यक्ष (गंगापार) अनिल यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद कार्यकर्ताओं को यह जानकारी दे दी गई है। सपा के मीडिया प्रभारी दान बहादुर मधुर के अनुसार पार्टी के नेताओं ने कार्यकर्ताओं से आम आदमी के अधिकारों के बारे में भी जागरुक करने का आह्वान किया है।

कृषि कुंभ कृषि दर्शन शिविर का समापन

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ में लगे भारतीय कृषि जागरण अनुसंधान संस्थान के शिविर का शुक्रवार को समापन हुआ। इस मौके पर संस्थान के निदेशक कुशल पांडेय ने कहा कि कृषि भारत की रीढ़ और किसान इस देश की आत्मा हैं। विकसित भारत का सपना तब साकार होगा जब उन्नत कृषि और किसान सुखी होंगे। शोधार्थी गौरव मिश्र ने बताया कि प्राकृतिक खेती समय की आवश्यकता है। यह खाने में पौष्टिक होने के साथ ही स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है।शोध छात्र आशुतोष सिंह ने कहा कि गौ, कृषि व किसान के विकास से ही देश की अर्थव्यवस्था समृद्ध होगी। डॉ. सौरभ कनौजिया, आलोक मिश्रा , योगेश मिश्रा , रोशन पांडेय , दादा पांडेय , विजय पांडेय , संतोष पांडेय , प्रशांत मिश्र , प्रबल मिश्र मौजूद रहे।

कुमारी रूपा ने रामचरितमानस को अंगिका में किया प्रस्तुत

प्रयागराज । बिहार के बांका जिले की लेखिका कुमारी रूपा ने शुक्रवार को शिवसेना प्रदेश सचिव रुचि तिवारी से नैनी स्थित आवास पर मुलाकात कर उन्हें स्वलिखित अंगिका रामचरितमानस भेंट की। प्रदेश सचिव रुचि तिवारी ने कुमारी रूपा का स्वागत कर प्रतीक चिन्ह और अंगवस्त्रम से सम्मानित किया । शिव सेना प्रदेश सचिव रुचि तिवारी ने कुमारी रूपा की ओर से लिखित अंगिका भाषा में रामचरितमानस की सराहना करते हुए उनका हौसला बढ़ाया। रुचि तिवारी ने कहा कि रूपा का काम बहुत ही अच्छा है। सनातन धर्म के प्रचार के लिए उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

होम्योपैथिक मेडिकल छात्रों ने विरोध प्रदर्शन

प्रयागराज। राजकीय लाल बहादुर शास्त्री होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल शान्तिपुरम फाफामऊ के पीजी छात्रों ने मानदेय न मिलने के कारण हाथ में काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। साथ ही आंशिक रूप से कार्य बंद कर परिसर में नारेबाजी की। छात्रों का

कहना है वर्ष 2021 बैच का 14 माह, 2022 का 10, 2023 का आठ और 2024 बैच के छात्रों चार माह मानदेय नहीं मिला है। मानदेय न मिलने से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

सेवानिवृत्त एसडीएम और तीन कर्मचारियों को दी विदाई

प्रयागराज। महाकुम्भ मेले में कार्यरत उप जिलाधिकारी सुरेंद्र पाल और तीन अन्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्त पर शुक्रवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण कार्यालय के आईट्रिपलसी सभागार में विदाई समारोह आयोजित किया गया।

अफसर तक करते थे इंतजार, अब श्रद्धालुओं की ताक रहे राह, महाकुंभ समापन के बाद अधिकतर घाटों पर सन्नाटा

प्रयागराज। महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भीड़ का फायदा उठाकर नाविकों ने मनमानी वसूली की। संगम स्नान के लिए श्रद्धालुओं से प्रति व्यक्ति एक हजार से लेकर पांच हजार तक रुपये वसूले गए, जबकि अधिकतम किराया 150 रुपये तक था लेकिन महाकुंभ संपन्न होने के बाद अब स्थिति उलट है। नाविक अब श्रद्धालुओं की बाट जोहते नजर आ रहे हैं।

महाकुंभ मेले के दौरान जहां नावों के लिए मारामारी मची थी। नाविकों की ओर से निर्धारित दरों से 10 गुना अधिक कीमत वसूली जा रही थी। इसके बावजूद आमजन से लेकर अफसर तक कतार में लगे थे, लेकिन महाकुंभ संपन्न होने के बाद अब स्थिति उलट है।

शुक्रवार को जब संवाददाता ने इसका जायजा लिया तो हजारों की संख्या में नाव और नाविक कतार में थे और श्रद्धालुओं की बाट जोहते नजर आए। बोट क्लब ही नहीं, सरस्वती घाट, वीआईपी घाट, अक्षयवट, मेला मैदान, शंख बेनी सहित अधिकतर घाटों पर यही हालात नजर आए।

दरअसल, महाकुंभ में करीब 10 हजार प्राइवेट और 860 सरकारी नावों का पंजीकरण किया गया था, जिसके माध्यम से श्रद्धालु संगम स्नान कर सकें। मेला प्रशासन की ओर से नावों के लिए शुल्क भी निर्धारित किया गया था, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ का फायदा उठाकर नाविकों ने मनमानी वसूली की।

संगम स्नान के लिए श्रद्धालुओं से प्रति व्यक्ति एक हजार से लेकर पांच हजार तक रुपये वसूले गए, जबकि अधिकतम किराया 150 रुपये तक था। इस दौरान शिकायतों के बाद भी पुलिस और मेला प्रशासन के अधिकारी बेबस और लाचार बने रहे।

नाविकों के लिए निर्धारित दर पर गौर करें तो बलुआ घाट से संगम 150 रुपये, गऊ घाट से संगम 120, इमली घाट से संगम 115, मिंटो पार्क घाट से संगम 115, मनकामेश्वर से संगम 115, सरस्वती घाट से संगम 115, किला घाट से संगम 90, अरैल घाट से संगम 75, मेला मैदान से संगम 75, सोमेश्वर घाट से संगम 60, गंगा, यमुना पार से संगम 60, शंख बेनी घाट से संगम 60, रामघाट झूंसी से संगम 55 और राजघाट से संगम 55 रुपये किराया तय किया गया था।

महाकुंभ के दौरान मेला प्रशासन की ओर से निर्धारित दरों की सूची कुछ स्थानों पर लगाई गई, लेकिन चंद दिनों बाद ही अधिकतर स्थानों से इसे हटा दिया गया। इस संबंध में मेलाधिकारी विजय किरण आनंद का कहना है कि नाविकों की मनमानी संबंधी कई मामलों में कार्रवाई हुई है, केस भी दर्ज कराया गया है।

सीन एकः वीआईपी घाट

शुक्रवार को अन्य दिनों की तुलना में श्रद्धालुओं की भीड़ कम थी। प्राइवेट नावों का संचालन बंद था। बावजूद इसके 500 से अधिक वीआईपी सिफारिश कराकर संगम पर स्नान के लिए नाव से आए। पुलिसकर्मियों के लिए स्नान का दिन था, इसलिए एफआरपी मोटर बोट संचालित कर उन्हें स्नान कराया गया। प्राइवेट नाविकों ने यहां नाव का संचालन कतिपय कारणों से बंद कर दिया था। अन्य दिनों की तुलना में यहां बोट के लिए मारामारी नहीं दिखी। मुंबई से आए हरिओम पंवार ने बताया कि वह परिवार के साथ संगम गए थे, लेकिन किसी ने पैसा नहीं लिया। उनके जानने वाले यूपी के एक पुलिस अफसर ने यहां के पुलिस अफसर से बात की थी।

सीन दो : सरस्वती घाट

सरस्वती घाट सेना क्षेत्र में है। यहां तकरीबन 500 नावें खड़ी थीं। प्राइवेट नाविक श्रद्धालुओं के आने का इंतजार कर रहे थे, लेकिन 100 से 150 लोगों ने ही नाव की बुकिंग की। नाम नहीं छापने की शर्त पर एक पुलिसकर्मी ने बताया कि पुलिस चौकी पर उसकी तैनाती है। प्राइवेट नाव वालों ने खूब वसूली की है, लेकिन अब एक दिन बाद ही सीन बदल गया है। शुक्रवार की सुबह नौ बजे से ड्यूटी है। कम लोग ही आ रहे हैं। जो आ रहे हैं, उन्हें बैठाने के लिए नाविकों में आपस में ही मारामारी मची है। मेले के दौरान एक हजार से लेकर पांच हजार तक वसूली करने वाले नाविक निर्धारित दरों पर संगम जाने को आतुर नजर आए। बहराइच से आई शालिनी ने बताया कि उनके गांव के 11 लोग दस दिन पहले आए थे, उन्होंने 13 हजार में एक नाव की बुकिंग की थी।

सीन तीनः वोट क्लब

छत्तीसगढ़ बिलासपुर से आए राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि प्राइवेट गाड़ी से आठ लोग आए थे। उनसे 180 रुपये प्रति यात्री नाविक ने किराया लिया। इस दौरान कई अन्य नाविक भी उन्हें संगम ले जाने को बुलाते रहे। जबकि उनके यहां से दस दिन पहले 25 के करीब लोग आए थे, उन्होंने बताया था कि एक हजार रुपये प्रति व्यक्ति वसूले थे। मध्यप्रदेश से आए भीखम ने बताया कि 20 लोगों के साथ वह आए हैं, उनसे 160 रुपये प्रति यात्री लेकर नाविक ने संगम स्नान कराया। वहीं अलीगढ़ से आए रामजीत गुप्ता ने बताया कि वह तीन लोग नाव से संगम जाना चाहते थे, लेकिन नाविक 10 लोगों के आने का इंतजार एक घंटे तक करता रहा।

अतीक अहमद के आफिस में लगी भीषण आग, एक कमरे से उठीं लाल लपटें

प्रयागराज। प्रयागराज में मौजूद अतीक अहमद के ऑफिस में शनिवार को अचानक भीषण आग लग गई। बिल्डिंग के एक कमरे से उठ रहीं लाल लपटें देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया।

प्रयागराज में मौजूद अतीक अहमद के ऑफिस में शनिवार को अचानक भीषण आग लग गई। बिल्डिंग के एक कमरे से उठ रहीं लाल लपटें देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। आनन–फानन में इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। आग कैसे लगी? इसकी जानकारी नहीं हो पाई है। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम आग के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

बताते कि अतीक अहमद की मौत के बाद सरकार ने उसकी संपत्तियों को कब्जे में ले लिया है। जिस ऑफिस में आग लगी है, उस पर कुछ दिन पहले ही पीडीए की तरफ से कार्रवाई की गई थी। पुलिस ने बताया कि जहां आग लगने की घटना सामने आई है वह अब बिल्डिंग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। आसपास के लोगों से मिली जानकारी में पता चला है कि कुछ नेशड़ी तबके के लोगों ने कोई जलती हुई चीज को फेंका होगा, जिसके कारण आग लग गई।

फरवरी में अतीक के गुर्गों सद्दाम और लल्ला गद्दी की कुर्क जमीन पर काबिज हुआ था प्रशासन

माफिया अतीक गैंक के गैंगस्टर सद्दाम और लल्ला गद्दी की कुर्क प्रॉपर्टी पर कुछ दिन पहले ही एसडीएम सदर प्रमोद कुमार ने पुलिस टीम के साथ कब्जा लिया था। हरुनगला स्थित तीन बीघा जमीन पर प्रशासक ने अपना बोर्ड लगाया गया था। बोर्ड में इस जमीन की कीमत 5.29 करोड़ बताई गई। पुलिस ने प्रॉपर्टी पर कब्जा लेने से पहले ढोल के साथ मुनादी भी कराई थी। अतीक के भाई अशरफ के साले अब्दुल समद उर्फ सद्दाम और उसका गुर्गा रजा उर्फ लल्ला गद्दी ने बरेली में खूब प्रॉपर्टी एकत्र की थी। अतीक–अशरफ की मौत के बाद सद्दाम और लल्ला गद्दी और पुलिस–प्रशासन का शिकंजा कसता चला गया। पुलिस ने सद्दाम और लल्ला गद्दी समेत 11 के खिलाफ पिछले साल फरवरी में गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। सद्दाम पर नौ और लल्ला गद्दी के खिलाफ 5 मुकदमे अलग–अलग थानों में दर्ज है।

एसएसपी की रिपोर्ट के आधार पर पिछले सप्ताह डीएम रविंद्र कुमार ने सद्दाम और लल्ला गद्दी की हरुनगला स्थित गाटा संख्या 530 व 531 क्षेत्रफल 1.5810 हेक्टेयर में से 1610 भाग यानि करीब 3 बीघा जमीन कुर्क की थी। डीएम ने एसडीएम सदर को कुर्क प्रॉपर्टी का प्रशासक नियुक्त किया है। मंगलवार को एसडीएम सदर तहसील की टीम और बिथरी–बरादरी थानों की पुलिस के साथ कब्जा लेने पहुंच गए।

प्रयागराज से उड़ान भरने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ी

प्रयागराज। महाकुम्भ के बाद हवाई यात्रा से प्रयागराज आने वाले यात्रियों की अपेक्षा जाने वाले यात्रियों की संख्या दोगुना है। 27 फरवरी को प्रयागराज एयरपोर्ट पर शेड्यूल के 57 विमानों का आगमन हुआ और इतने ही विमानों ने उड़ान भरी। वहीं नॉन शेड्यूल की 12 चार्टर प्लेन से 33 यात्री आए और चार्टर प्लेन से 40 यात्रियों ने दूसरों शहरों के लिए उड़ान भरी। शेड्यूल विमानों में इंडिगो की 18, एलाइंस एयर की तीन, अकासा की दो, स्पाइस जेट की 16, एयर इंडिया की 16 और स्टार एयर की दो फ्लाइटों से 5684 यात्रियों का प्रयागराज एयरपोर्ट पर आगमन हुआ। वहीं इतने ही विमानों से 9261 यात्रियों ने दूसरे शहरों के लिए उड़ान भरी। इस तरह दूसरे शहरों में जाने वाले यात्रियों की संख्या लगभग दोगुनी रही।

अनिल मौर्य बनाए गए प्रभारी मुख्य अभियंता

प्रयागराज। नगर निगम में मुख्य अभियंता के पद पर कार्यरत सतीश कुमार शुक्रवार को सेवानिवृत हो गए। सतीश कुमार के सेवानिवृत्ति के बाद अधिशासी अभियंता अनिल मौर्य को नगर निगम का कार्यवाहक मुख्य अभियंता बनाया गया है।

नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने स्थायी मुख्य अभियंता की तैनाती तक के लिए अनिल मौर्य को जिम्मेदारी सौंपी है। नगर निगम प्रशासन की ओर से शुक्रवार शाम सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता को विदाई दी गई। विदाई समारोह में महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी समेत कई अधिकारी और पार्षद मौजूद रहे। सतीश कुमार प्रयागराज नगर निगम में 2016 से बतौर मुख्य अभियंता कार्यरत रहे।

महाकुम्भ एक याद बन गया, लेकिन इसकी गूंज सदियों तक रहेगी

प्रयागराज। संगम तट पर 45 दिनों का महाआयोजन महाकुम्भ का समापन हो गया है। संतों–कल्पवासियों के जाने के बाद अब सामान समेटे जा रहे हैं। यहां करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन को हमेशा याद किया जाएगा। महाकुम्भ के सफल आयोजन में प्रशासन, सुरक्षा बलों और विशेष रूप से सफाई कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन कर्मयोगियों का आभार व्यक्त किया और उनके योगदान को सराहा। कुम्भ क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सफाई कार्य अभी भी जारी है।

महाकुंभ खत्म होते ही प्रयागराज में रमजान के लिए बाजार गुलजार, शुरू होगी तरावीह

प्रयागराज। मुकद्दस माह रमजान को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ गई है। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सहरी और रोजा इफ्तार की तैयारियों को लेकर बाजारों का रुख किया। जरूरतों के सामान खरीदे। इसे लेकर शुक्रवार को बाजारों में दिनभर भीड़ रही।

मुकद्दस माह रमजान को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ गई है। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सहरी और रोजा इफ्तार की तैयारियों को लेकर बाजारों का रुख किया। जरूरतों के सामान खरीदे। इसे लेकर शुक्रवार को बाजारों में दिनभर भीड़ रही। कटरा, कोतवाली, नखास कोहना, चौक, घंटाघर, लोकनाथ फलमंडी, रोशनबाग, नूरउल्लाह रोड, करेली में लोग खरीदारी करने में लगे रहे। किसी ने पापड़, चिप्स, फल, ब्रेड, नमकीन खरीदे तो किसी ने ने इफ्तारी बनाने के लिये प्याज, टमाटर, मैदा, दाल, चना खरीदा। वहीं बच्चों में भी रमजान को लेकर खासा उत्साह है। उन्होंने भी परिजनों संग अपनी पसंद से खाने–पीने की चीजें खरीदीं।

खजूरों की भी अनेक वेरायटी है। लोग अपनी पसंद के मुताबिक इनकी खरीदारी करते हैं। चूंकि रमजान में खजूर से रोजा खोलने का विशेष महत्व है जिसे लेकर बाजारों में खजूर की बिक्री भी तेज हो गई है। बाजारों में अजुआ, अंबर, मबरूम, कल्मी, मखदूमी, शुकरी रुतब, बरनी, बूमन समेत अन्य कई वेरायटी के खजूर उपलब्ध हैं। ग्राहक इन्हें पसंद कर रहे हैं। खजूर कारोबारी अफजाल जज्जी ने बताया कि ईरान, सऊदी, मदीने के खजूरों की डिमांड बढ़ी है।

बाजारों में इनकी कीमत 400 रुपये से लेकर 1600 रुपये प्रति किलोग्राम तक है। दुकानदार साजिद हनफी बताते हैं कि उनके पास खजूरों की लिबर्टी, कीमिया, जबील, फर्द, यंबू समेत अन्य वेरायटी उपलब्ध है। इनकी कीमत 200 रुपये से लेकर 800 रुपये प्रति किलोग्राम तक है। ग्राहकों की मांग के आधार पर अन्य वेरायटी के खजूर भी मंगाएंगे।

रमजान आते ही बाजारों में सूतफेनी की बिक्री बढ़ी है। दुकानदार ग्राहकों की मांग अनुसार सूतफेनी बनवाकर बाजारों में बेच रहे हैं। शुक्रवार को कोतवाली, नखास कोहना, चौक की दुकानों पर लोग इसकी खरीदारी करते रहे। दुकानदार आसिफ ने बताया कि सफेद सूतफेनी 200 रुपये प्रति किग्रा बिक रही है। वहीं भुनी लाल सूतफेनी 250 और देसी घी से बनी सूतफेनी 600 रुपये प्रतिकिग्रा तक बिक रही है। इसके अलावा मोटी और महीन सूतफेनी भी ग्राहक पसंद कर रहे हैं।

सुन्नी मरकजी रुयते हिलाल कमेटी कदीम के सद्र मुफ्ती मोहम्मद मुजाहिद हुसैनी रजवी व नायब सद्र मौलाना सैय्यद रईस अख्तर हबीबी ने शुक्रवार को रमजान उल मुबारक के चांद न होने की तस्दीक कर दी है। उम्मुल बनीन सोसायटी के महासचिव सैय्यद मोहम्मद अस्करी ने बताया कि शिया व सुन्नी समुदाय की ओर से जारी पत्र में माहे रमजान के चांद के संबंध में स्पष्ट कर दिया है कि शनिवार को माहे शाबान की तीस होगी और माहे रमजान का मुकद्दस महीना रविवार दो मार्च से शुरू होगा।

विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, निम्नलिखित रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, दिन, संरचना, ठहराव एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या	स्टेशन से	स्टेशन तक	आवृत्ति	चलने की तिथि से	चलने की तिथि तक
02393/	पटना	नई दिल्ली	सप्ताह में छः दिन	01.03.2025	31.03.2025
02394	नई दिल्ली	पटना		02.03.2025	01.04.2025
02397/	गया	आनन्द विहार ट.	साप्ताहिक	02.03.2025	30.03.2025
02398	आनन्द विहार ट.	गया		03.03.2025	31.03.2025
03257/	दानापुर	आनन्द विहार ट.	साप्ताहिक	02.03.2025	30.03.2025
03258	आनन्द विहार ट.	दानापुर		03.03.2025	31.03.2025

नोट: रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in CPRONCR 400/25(AS)

छात्राओं को विधिक जानकारी देकर किया जागरूक रितिश सचदेवा

मुजफ्फरनगर। आज स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज जट मुझेड़ा में जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉक्टर अजय कुमार के निर्देशन में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया सकार्यक्रम में मुख्य अतिथि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री रीतिश सचदेवा ने छात्राओं को विधिक जानकारी देते हुए उनके अधिकार एवं कर्तव्य के बारे में जागरूक कियास आगामी 8 मार्च को लगने वाली लोक अदालत के बारे

में विस्तार से बताया किस प्रकार छात्राओं के अभिभावक का यदि कोई भी विवाद न्यायालय में प्रचलित है उसका निस्तारण सरल एवं आसान तरीके से लोक अदालत के माध्यम से कराये सलोक अदालत के दौरान बैंक विवाद यातायात विवाद विद्युत विवाद जमीनी विवाद घरेलू हिंसा विवाद आदि का निस्तारण आपसी समझौते के तहत किया जाता है ससाइबर क्राइम के बारे में मान्य मुख्य अतिथि ने छात्राओं को अनावश्यक लिंक अनावश्यक एप्लीकेशन आदि को डाउनलोड ना करें सकिसी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत बातों को साझा ना करेंस किसी को अपना बैंक पासवर्ड ओटीपी न बताएं सछात्राओं को बताया यदि वह अपनी डीपी को फेसबुक पर अगर लगाती है उस प्रोफाइल कोलॉक रखें सकिसी भी अपराध को केवल जागरूकता के द्वारा ही खत्म किया जा सकता हैस विद्यालय प्रधानाचार्य द्वारा आए हुए अतिथियों का अंग वस्त्र पहनकर सम्मान किया एवं इस प्रकार के कार्यक्रम छात्राओं को जागरूक करने के लिए विद्यालय में आने का आग्रह किया सकार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय शिक्षिकाएं एवं पैरालेगल वालंटियर धनीराम जी वह गौरव मालिक उपस्थित रहे।

परीक्षा केन्द्र के कन्ट्रोल रूम सहित समस्त व्यवस्थाओ का जायजा लेते हुए सम्बन्धित को दिये आवश्यक दिशा निर्देश-जिलाधिकारी

मुजफ्फरनगर। शासन के निर्देशानुसार जनपद में संचालित कक्षा 10 व 12 की बोर्ड परिक्षा को सकुशल एवं नकल विहीन सम्पन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के द्वारा केन्द्र व्यवस्थापक ले0 नितिन कुमार को साथ लेकर जी० आई० सी० इण्टर कॉलेज मु०नगर में संचालित प्रथम पाली की बोर्ड परिक्षा का गहनतापूर्वक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्र पर बने कन्ट्रॉल रूम का निरीक्षण कर वहां पर लगे सी०सी० टी०वी० कैमरो कि व्यवस्था को चेक किया गया साथ ही जिलाधिकारी द्वारा समस्त व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा परीक्षा केंद्र से संबंधित समस्त स्टाफ को परीक्षा को सकुशल व नकल विहीन संपन्न कराने हेतु दिशा निर्देश दिए गए। इस मौके पर सैक्टर मजिस्टेट, व पुलिस बल उपस्थित रहा।

उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति आयोग सदस्य महिपाल वाल्मीकि ने सुनी समस्याएं

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के सदस्य माननीय महिपाल वाल्मीकि जी नगर पालिका मुजफ्फरनगर के सभागार मे सफाई कर्मचारियों व समाजिक मुद्दों पर वाल्मीकि समाज के नेताओं से विचार विमर्श किया। जिसमे वाल्मीकि क्रान्ति दल के सुप्रीमो एवं सहारनपुर मण्डल प्रभारी

उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ दीपक गम्भीर ने उत्तर प्रदेश मे गैर समुदाय जैसे हिन्दू जुलाहा,कबीर पंथी,भुईयार, कोरी को अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र निर्गत करने से रोक लागाने के लिए अनुरोध किया और जनपद मुजफ्फरनगर की नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों मे संविदा व ठेका सफाई कर्मचारियों को आयुष्मान कार्ड व साप्ताहिक अवकाश एवं कोरोना काल मे सभी सफाई कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि से पुरस्कृत किया जैसे स्वास्थ्य व सुरक्षा कर्मियों को प्रोत्साहन राशि दी गई है। जिस पर अधिशासी अधिकारी व नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने माननीय जी की गरिमामय उपस्थिति मे सफाई कर्मचारियों को शासनादेश अनुसार सारी सुविधाएं देना का आश्वासन दिया और माह अप्रैल से पहले सभी संविदा सफाई कर्मचारियों पी एफ की सुविधा की जा रही है।

वाल्मीकि क्रान्ति दल के सुप्रीमो दीपक गम्भीर के नेतृत्व मे एक ज्ञापन श्री महीपाल जी माननीय सदस्य अनुसूचित जाति जनजाति आयोग उत्तर प्रदेश को सौंपा। एस सी एस टी परिसंघ के अध्यक्ष बाबू सिंह बौद्ध ने माननीय आयोग महोदय जी से शहर मे एक चोराहा बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर जी के नाम से किया जाने का अनुरोध किया जिस पर माननीय आयोग महोदय जी ने आश्वासन दिया की जल्द ही वह माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश जी से मिलकर इस चौराहे का प्रस्ताव रखेंगे। सभा मे गोपाल सुधाकर, राजकुमार बैनीवाल,आरुषी सुधा, राकेश कल्याण जी,अमित सुधा,नीरज बिड़ला, अधिशासी अधिकारी परिज्ञा सिंह,नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अतुल कुमार, पलक शाह, तनवीर आलम , मास्टर अमन, वेदप्रकाश, मोती राम, गोतम राम,आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

देश का तिरंगा हमारी जान, जाति-धर्म से पहले देश: मनीष चौधरी

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के द्वारा शनिवार की सुबह शहर के जीआईसी मैदान पर स्थित शहीद स्मारक पर अमर शहीदों और फौजियों के समर्पण और बलिदान को समर्पित सामूहिक राष्ट्रगान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों से छात्र–छात्राओं के अलावा सभी वर्गों के लोगों ने प्रतिभाग करते हुए संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रसिद्ध समाजसेवी मनीष चौधरी के साथ राष्ट्रगान किया और शहीदों को नमन करते हुए राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को सलामी पेश की गई। साथ देश के लिए अपना सर्वस्व सहयोग करने के लिए संकल्प भी लिया गया।

राष्ट्रीय सामाजिक संस्था समाजसेवी टीम के द्वारा पिछले करीब चार साल से लगातार समाज में देश भावना को जागृत करते हुए तिरंगे नीचे सर्वसमाज को एकजुट करने के प्रयासों की कड़ी में मासिक सामूहिक राष्ट्रगान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को जीआईसी मैदान पर शहीद स्मारक पर शहीदों की याद में सामूहिक राष्ट्रगान हुआ। कार्यक्रम के उपरांत मनीष चौधरी ने मीडिया कर्मियों से बातचीत में कहा कि सामूहिक राष्ट्रगान के जरिये हमने यही संदेश समाज को देने का काम किया है कि जाति और धर्म से पहले देश है। आज का यह अर्धशतक 50वां सामूहिक मासिक राष्ट्रगान हमने देश के अमर शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम

सेनानियों और फौजियों को समर्पित किया है। युवा पीढ़ी को इसके सहारे राष्ट्रवाद की भावना सर्वोपरि रखने के लिए प्रेरित किया है। उनको देश के उत्थान और समाज के विकास के लिए शिक्षा का रास्ता अपनाकर अपने नागरिक दायित्वों का निभाने की सीख भी दी गई है। कार्यक्रम के दौरान जिया उल उलूम पब्लिक स्कूल, मदरसा इदारातुस सालिहात करीमनगर और एशिया पब्लिक स्कूल के बच्चों ने यहां पर सुन्दर देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित करते हुए देश के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा का सलामी पेश की है। कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन के मोरना ब्लॉक अध्यक्ष अंकित जवाला,शेरावत खाप के प्रदेश अध्यक्ष संजीव सेहरावत व अन्य अतिथियों ने भी राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी के सामूहिक राष्ट्रगान जैसे कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज को देश के साथ जोड़ने का काम करते हुए एकजुट भी कर रहा है। इसके सहारे भारत के सर्वधर्म सम्भाव की भावना को भी मजबूत करने का काम किया जा रहा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता फैजुर रहमान ने कहा हमारे देश का राष्ट्रीय गान स्कूल कॉलेज के साथ–साथ मदरसा में भी होने चाहिए जिससे हर समाज में एकता का सूत्र बना रहे पुलिस और प्रशासन के प्रतिनिधि के रूप में स्टेडियम पुलिस चौकी इंचार्ज एसआई मांगेराम कर्दम अपने पूरे स्टाफ के साथ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिया उल उलूम पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य नदीम खान, मदरसा इदारातुस सालिहात से डॉ. हम्माद हुसैनी, एशिया पब्लिक स्कूल से मौहम्मद गयूर, जब्बार, केपी चौधरी, फैजुर रहमान,भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक के ब्लॉक मोरना अध्यक्ष अंकित जावला, सहरावत खाप के अध्यक्ष संजीव सहरावत, भारत वीर प्रधान, पंडित बृजेश दुबे, गगनदीप उपाध्याय, अशोक कुमार, अवध नारायण तिवारी, संजय तिवारी, कुलदीप मिश्रा, रमाशंकर मिश्रा, रवि मिश्रा, शुभम चौबे, हम्माद राणा, अरहम एडवोकेट, अचीवर अकैडमी जयदेव पवार और वीरपाल मास्टर जी के साथ ही सैंकड़ों लोगों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर पुलिस की कड़ी व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रही!अंत में प्रसिद्ध समाजसेवी मनीष चौधरी ने राष्ट्रभक्ति के इस कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन स्कूली बच्चों एवं साथ में गण मान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया!

जानसठ तहसील में जिलाधिकारी एवं पुलिस उप महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

'जिलाधिकारी द्वारा शिकायत रजिस्टर का अवलोकन कर शिकायतकर्ताओं से फोन पर वार्ता कर लिया गया फीडबैक'

मुजफ्फरनगर। जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा एवं पुलिस उप महानिरीक्षकध्वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह की अध्यक्षता में तहसील जानसठ के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में राशन कार्ड, भूमि विवाद, नगर पालिका, आरएम रोडवेज, नगर पंचायत से संबंधित, श्रम विभाग से संबंधित ,पेंशन, विद्युत विभाग से संबंधित, सड़क आदि संबंधी शिकायतें प्राप्त हुए।

जानसठ तहसील समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा शिकायत रजिस्टर का अवलोकन भी किया गया तथा शिकायतकर्ताओं से फोन पर वार्ता कर फीडबैक भी लिया। उन्होंने वन विभाग द्वारा पूर्व में शिकायत का निस्तारण करने के संबंध में वन विभाग के फॉरेस्टर से जानकारी करने पर, सही जवाब न देने पर तथा संपूर्ण समाधान दिवस में वनाधिकारी मौके पर अनुपस्थित पाए जाने पर दोनों लोगों को प्रतिकूल प्रविष्टियां देने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों तथा आइजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का ससमय व गुणवत्तापूर्ण एवं संतोष जनक निस्तारण करने हेतु समय–समय पर निर्देशित किया जाता रहा है, कुछ अधिकारियों द्वारा प्राप्त शिकायतों का सही ढंग से निस्तारण न किया जा रहा है, जिससे जनपद की रैंकिंग खराब हुई है, यदि ऐसे संबंधित अधिकारी अपने कार्य में सुधार नहीं लाते हैं, तो उनको प्रतिकूल प्रवृत्तियां दिए जाने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपूर्ण समाधान में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण व समयातर्गत तथा पारदर्शिता के साथ शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता ना बरतने के भी सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को

निर्देश दिए हैं कि विगत माह संबंधित विभाग के अधिकारियों के द्वारा आईजीआरएस की शिकायतों तथा संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण सही ढंग से ना किया जाने, शिकायत का निस्तारण संतोष जनक ना किया जाने के कारण जनपद की रैंकिंग खराब हुई। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आइजीआरएस एवं संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायत तो का गुणवत्ता पूर्वक समय अंतर्गत निस्तारण किया जाए। उन्होंने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए की शिकायत कंप्यूटर पर अपलोड होने से पहले शिकायत को अच्छी तरह से पढ़ लें उसके बाद ही कंप्यूटर पर अपलोड कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए यदि किसी स्तर पर कोई शिकायत का निस्तारण में लापरवाही बरती जाती या पेंडिंग में होती है, तो संबंधित के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की कोई लापरवाही ना बढ़ती जाए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 37 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें मौके पर 4 शिकायतों का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को संदर्भित करते हुए निर्देशित किया कि पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से मौके पर पहुंच कर शिकायतकर्ता से शिकायत के सम्बन्ध में फीडबैक लें कि बह संतुष्ट है,और मौके का फोटो भी कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर उप जिलाधिकारी जानसठ श्री सुबोध कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री सुनील तेवतिया, क्षेत्राधिकार जानसठ श्री यतेंद्र नागर, क्षेत्राधिकार भोपा, तहसीलदार श्री सतीश चंद्र बघेल, नायब तहसीलदार श्री विपिन चौधरी, जिला पूर्ति अधिकारी श्री राघवेंद्र, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री विनीत मलिक, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

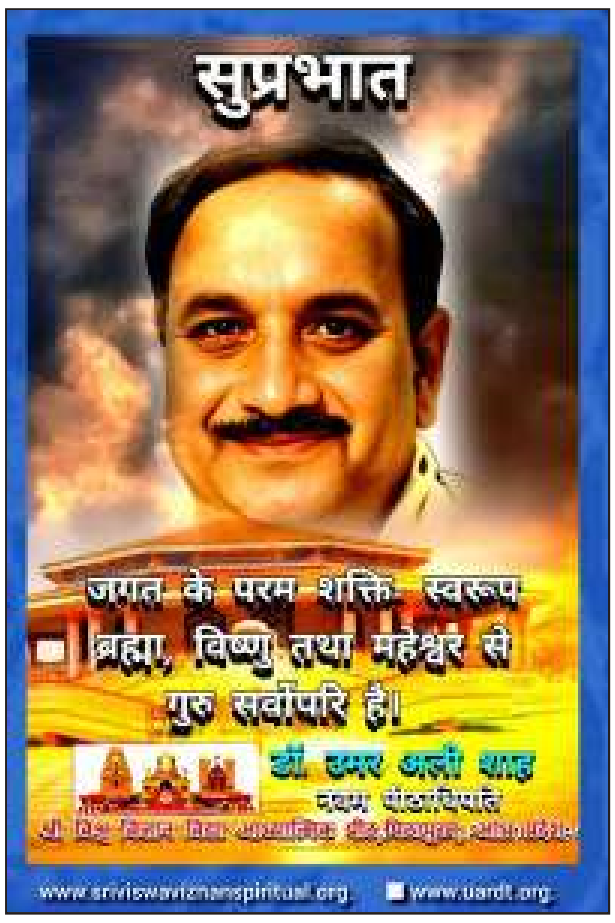

फागुन रहा सँवार

(कुण्डलिया)

लगा महावर पैर में,कर सोलह श्रृंगार।
कलियों में नव रंग भर,फागुन रहा सँवार ।
फागुन रहा सँवार, देख महुआरी गमकी।
मीठी हुई बयार,घरों की चिड़िया चहकी।
सुन लो कहें प्रदीप,सुहावन हुआ रतजगा।
जबसे प्यारा शब्द,प्यार में हुआ मुँहलगा ।।

छोटी हो या हों बड़ी,रखना सदा सहेज।
साली बिन होली सदा,लगे शूल का सेज।
लगे शूल का सेज,न अच्छी लगती होली।
गालो पर चढ़ा गुलाल,न करता प्रेम ठिठोली।
सुन लो कहें प्रदीप, खरी अरु खोटी–खोटी।
करना प्यारे ब्याह, जहाँ साली हो छोटी।।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

सभासदों का प्रयास रंग लाया पालिका प्रशासन द्वारा बंदर पकड़ने का अभियान शुरू

मुजफ्फरनगर। शहर की जनता आवारा कुत्तों एवं बंदरों के प्रकोप से अत्यधिक दुखी थी इस ज्वलंत समस्या को

देखते हुए वार्ड 37 के सभासद अमित पटपटिया एवं वार्ड 36 की सभासद पारुल मित्तल द्वारा अपने–अपने स्तर पर पालिका को जागृत किया गया था। उसका फल आज देखने को मिला जब गांधी कॉलोनी में बंदर पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया गया बंदर पकड़ने वाली टीम ने बताया कि आज पिंजरा लगाया गया हैस आशा है कल तक काफी बंदर इसमें आ जाएंगे क्योंकि क्षेत्र वासियों से बातचीत करके ही जगह चिन्हित की गई है।अ इस स्थान पर बंदरों को आना–जाना काफी ज्यादा है पालिका के प्रयास की सभी नागरिकों ने भूरी भूरी प्रशंसा की है एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप एवं म ० डॉ प्रज्ञा सिंह को धन्यवाद कहा है।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। सी एम पी डिग्री कॉलेज के हीरक जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत दिनांक 1 मार्च 2025 को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो राजेंद्र प्रसाद ने की और मुख्य अतिथि महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो बृजेश कुमार जी थे। कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्वलन से हुआ उसके पश्चात सरस्वती वंदना और कुलगीत की प्रस्तुति संगीत विभाग के द्वारा की गई। अतिथियों का वाचिक स्वागत प्रो सरोज सिंह ने किया। साथ ही प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे ने सम्मानित अतिथियों को पुष्प गुच्छ प्रदान किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुवात एकलव्य नृत्य नाटिका से हुई। इसके बाद वाणिज्य विभाग द्वारा लोक नृत्य और विधि विभाग द्वारा समूह नृत्य की प्रस्तुति हुई। इसी क्रम में लोक गान को भी संगीत विभाग ने प्रस्तुत किया। तत्पश्चात कवि भास द्वारा रचित प्रतिमानाटकम का मंचन संस्कृत विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा किया गया। इस नाटक का निर्देशन प्रो एस पी सिंह ने किया।

इसी क्रम में फड़ीश्वर नाथ रेणु कृत पंच लाइट नाटक का मंचन डॉ पूजा गौड़ के निर्देशन में संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का उद्बोधन हुआ और उन्होंने महाविद्यालय को उसके 75 वर्ष पूर्ण करने पर शुभकामनाएँ दी और यह कामना की महाविद्यालय इसी तरह प्रगति करते हुए देश का सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय बने। कार्यक्रम का संचालन डॉ रंजीत सिंह ने किया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय की उप प्राचार्या प्रो नीता सिन्हा ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय........

कामयाबी का जनोत्सव

सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो इस महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने गंगा–यमुना व अदृश्य सरस्वती के संगम पर महाकुंभ के दौरान डुबकी लगायी। एक भगदड़ की घटना में कुछ श्रद्धालुओं का असमय काल–कवलित होना दुखद ही था। कुछ अग्निकांड भी हुए। लेकिन यदि बात करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम में स्नान व उनके आने–जाने व रहने की व्यवस्था की हो तो योगी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है। रूस–अमेरिका जैसी महाशक्तियों की आबादी से अधिक जनसंख्या का प्रबंधन निश्चय ही एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे दौर में जब उपभोक्ता संस्कृति सिर चढ़कर बोल रही है, तब सनातन संस्कृति का ऐसा उफान चौंकाता है। जिसमें लोग तमाम कष्ट सहकर संगम में डुबकी लगाने को आतुर दिखे। त्याग–संयम से परिचित कराना कुंभ संस्कृति का उद्देश्य भी रहा है। इस तरह हमने अपने पुरखों की गौरवशाली विरासत का सम्मान किया। जिसमें सदियों से करोड़ों लोग बिना चिट्ठी–पत्री के स्वतःस्फूर्त भाव से कुंभ के मेले में जुटते रहे हैं। भारतीय संस्कृति में ऐसी क्या खासियत है? महाकुंभ जैसे इतने बड़े आयोजन कैसे सफलतापूर्वक होते हैं? यह देखने पूरी दुनिया के जिज्ञासु, विभिन्न धर्मों के अनुयायी, फोटोग्राफर और पत्रकार सदियों से महाकुंभ में जुटते रहे हैं। महाकुंभ के सफल आयोजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ ने पूरी दुनिया को युग–परिवर्तन की आहट और विशाल आयोजन की क्षमता से रूबरू कराया है। महत्वपूर्ण यह है कि तीर्थयात्रियों ने जिस तरह दिल खोल कर खर्च किया, वो निश्चय ही उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का तारणहार बनेगा। बताते हैं कि इससे प्रदेश की जीडीपी में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये का इजाफा होगा। जो देश की तमाम देशी–विदेशी इनवेस्ट समिटों से कहीं ज्यादा ठोस आय का स्रोत बना है। कई गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड इस महाकुंभ के नाम हुए। वीरवार को तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाणपत्र मुख्यमंत्री योगी को सौंपे गए। विपक्ष, खासकर सपा व कांग्रेस कुंभ आयोजन को लेकर हमलावर रहे हैं। वहीं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने महाकुंभ के समापन पर कहा कि ये सरकारी महाकुंभ है। असली कुंभ तो माघ पूर्णिमा को ही संपन्न हो चुका था। इस बार के महाकुंभ को टेक्नोलॉजी के महाकुंभ के रूप में भी याद किया जाएगा। महाकुंभ में विशेष एल्गोरिदम के जरिये इस्तेमाल पांच सौ एआई कैमरे क्राउड डेंसिटी व फैशियल रिकग्निशन के लिये इस्तेमाल किए गए। जिसके जरिये करोड़ों श्रद्धालुओं की गिनती संभव हुई। वहीं बिछुड़ों को परिजनों से मिलाने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। निस्संदेह, इतने बड़े जनसैलाब को संभालना किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। लेकिन भविष्य में महाकुंभ के आयोजन के लिये प्रयागराज महाकुंभ के अनुभवों से सबक लेने की जरूरत है। इस बात का वैज्ञानिक अध्ययन होना चाहिए कि भगदड़ को कैसे टाला जाए। आखिर क्यों दो सौ– तीन सौ किलोमीटर के जाम लगते रहे हैं। कैसे ट्रेनों का संचालन बिना किसी व्यवधान के किया जाए। हालांकि, 16 नई ट्रेनें चलाने की बात कही गई, लेकिन तमाम स्टेशनों पर ट्रेन में चढ़ने के लिये मारामारी होती रही है। दिल्ली रेलवे स्टेशन का हादसा इसका ज्वलंत उदाहरण है। महाकुंभ के सफल आयोजन ने बताया है कि देश में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। देश में महाकाल कोरिडोर व काशी कोरिडोर की तर्ज पर चारों कुंभ स्थलों पर संरचना निर्माण की दिशा में सोचा जाना चाहिए। प्रयागराज महाकुंभ से प्रेरित होकर महाराष्ट्र सरकार ने नासिक में 2027 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ की तैयारियों की शुरुआत कर दी है। बहरहाल, महाकुंभ को सामाजिक समरसता के उत्सव के रूप में भी याद किया जाएगा, जहां जाति, धर्म, क्षेत्र व भाषा की वर्जनाएं टूटती नजर आई। महत्वपूर्ण यह भी कि तीर्थयात्री तमाम कष्टों को सहते हुए सनातन संस्कृति में अटूट आस्था दिखाते रहे। महाकुंभ के समापन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का झाड़ू लेकर सफाई में जुटना और सफाईकर्मियों के बीच अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ भोजन करना एक प्रशंसनीय प्रयास हैं। वहीं कुंभ आयोजन की रीढ़ रहे पुलिसकर्मियों, सुरक्षाकर्मियों, स्वास्थ्यकर्मियों, रोडवेज कर्मियों, सफाईकर्मियों को बोनस, छुट्टी और स्मृतिचिन्ह व प्रशस्ति–पत्र देना एक अनुकरणीय पहल है। इससे ऐसे आयोजनों के लिये नई ऊर्जा मिलेगी।

दक्षिणपंथी वैचारिकी के दो रूप

ये हैं तो दो अलग–अलग परिघटनाएं जिनका एक–दूसरे से कोई सीधा सम्बन्ध नहीं दिखता, परन्तु दोनों से ही दक्षिणपंथियों की विचारधारा और सरकार की कार्यपद्धति का पता चलता है। एक का सम्बन्ध विनायक दामोदर सावरकर के वंशजों से है तो दूसरा एक ऐसे डीन की नियुक्ति के बाबत है जो महात्मा गांधी के हत्यारे पर गर्व करती है तथा उसे देश को बचाने वाला मानती है। दोनों घटनाएं यह भी बतलाती हैं कि ऊंचे पदों पर बैठे लोगों के निजी प्रयासों तथा राज्य–समर्थित सांस्थानिक कृत्यों द्वारा भारत को किस दिशा में ले जाया जा रहा है। पहले बात करें अंग्रेजों की जेल से माफी मांगकर छूटने वाले सावरकर की! कांग्रेस राहुल गांधी ने मार्च, 2023 में लंदन में एक भाषण के दौरान बतलाया था कि सावरकर ने एक मुस्लिम व्यक्ति पर कथित तौर पर 'हमले को आनंददायक' कहा था। इसे लेकर उनके वंशजों में से एक सात्यकि अशोक सावरकर ने पुणे की विशेष सांसद–विधायक कोर्ट में राहुल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर कर दिया था। 19 फरवरी को इसकी पेशी थी लेकिन राहुल को अदालत ने उपस्थिति की छूट दी थीय परन्तु अब उन्होंने मामले की सुनवाई 'समरी ट्रायल' की बजाये 'समन ट्रायल' के रूप में करने की मांग की है ताकि वे सावरकर से सम्बन्धित ऐतिहासिक सबूत एवं दस्तावेज रिकॉर्ड के लिये पेश कर सकें। लोकसभा में विपक्ष के नेता के खिलाफ मामला दायर करने वाले सात्यकि ही नहीं बल्कि सावरकर के परिवार एवं उनकी विचारधारा को मानने वाले सभी व्यक्तियों–संगठनों के लिये यह परेशान होने का पर्याप्त कारण है क्योंकि इस सच्चाई से वे स्वयं भी अवगत हैं कि सावरकर को जब अंग्रेजों ने पोर्ट ब्लेयर (अंडमान–निकोबार) की सेलुलर जेल में कालेपानी की सजा देकर रखा था तब उन्होंने छूटने के लिये लगभग एक दर्जन माफीनामे लिखे थे। इतना ही नहीं, रिहा होने के बाद उन्हें अंग्रेजों द्वारा हर माह 60 रुपये की पेंशन भी दी जाती थी। इसे भी बढ़ाने की वे दरख्वास्त करते रहे। इसके बाद वे जब तक जीवित रहे, उन्होंने कभी भी अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ मुंह नहीं खोला था। सावरकर को लेकर तभी से विवाद जारी हैं जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार केन्द्र में बनी है। पूरी भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं अन्य सहयोगी संगठन सावरकर का महिमा मंडन करते नहीं अघाते, बावजूद इसके कि कई मुद्दों पर उनके विचार अलग थे। मसलन, सावरकर गाय को अन्य पशुओं की ही तरह मानते थे। आजादी के बाद निष्क्रिय जीवन बिताने वाले सावरकर को लोगों ने एक तरह से भुला दिया था। थोड़े से लोग हैं जो उन्हें 'वीर' या 'क्रांतिकारी' जैसे शब्दों से नवाजा करते हैं। जब उनके चरित्र को बढ़ा–चढ़ाकर पेश करना शुरू किया गया तो दूसरी ओर उनकी असलियत भी सामने आने लगी। अधिकतर लोगों को उनके माफीनामे तथा पेंशन के बाबत भी इसी दौरान ज्ञात हुआ। उनका कृत्रिम आभामंडल अज्ञात, अल्पज्ञात या छिपाये गये तथ्यों के सामने आने से ध्वस्त हो गया। इसलिये सावरकर परिवार नहीं चाहता कि राहुल गांधी अपने बचाव में वे सारे ऐतिहासिक तथ्य कोर्ट के सामने रख दें जो संग्रहालयों, लाइब्रेरियों, शोध ग्रंथों, लेखों, इतिहास की किताबों आदि में दर्ज हैं। सावरकर परिवार के लिये उन्हें नकारना मुश्किल होगा क्योंकि जवाब में उन्हें वे तथ्य झूठे साबित करने होंगे जो कि सम्भव नहीं है। खतरा यह है कि थोड़े–बहुत लोग जो वस्तुस्थिति से नावाकिफ हैं, वे भी अवगत हो जायेंगे। इसलिये समन ट्रायल का विरोध जायज है। उनके वकील एसए कोल्हटकर ने कहा कि राहुल मुद्दे से ध्यान भटका रहे हैं ताकि मामला खींचा जा सके। उन्होंने ध्यान दिलाया कि कांग्रेस नेता के खिलाफ मानहानि के कई मामले चल रहे हैं। दरअसल वे बतलाना चाहते हैं कि लोगों का अपमान करने के राहुल आदी हैं। वैसे तो इन दोनों ही तर्कों में कोई दम नहीं है क्योंकि भारतीय न्यायालयों की धीमी प्रक्रिया सर्वविदित है। जिन मामलों का उल्लेख एड. कोल्हटकर कर रहे हैं, वे लगभग सारे लम्बित हैं। सिर्फ गुजरात की एक कोर्ट में मोदी समुदाय के कथित मानहानि वाले मामले में निचली अदालत में आनन–फानन में फैसला सुनाया था जिससे राहुल की लोकसभा (पिछली) की सदस्यता छीनी गयी थी (जो सुप्रीम कोर्ट से बहाल हुई थी)। वह कार्रवाई राजनीतिक कारणों से हुई थी क्योंकि राहुल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारोबारी मित्र गौतम अदानी के खिलाफ हमलावर थे। राहुल–सावरकर मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। सावरकर का विरोध राहुल की वैचारिक लड़ाई का हिस्सा है। जिस महाराष्ट्र में सावरकर के सबसे ज्यादा समर्थक हैं और शिवसेना का उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाला धड़ा उनका सहयोगी है, उसी जमीन पर चुनाव प्रचार के दौरान राहुल ने कहा था कि मानहानि के मामले में वे माफी नहीं मांगेंगे क्योंकि वे सावरकर नहीं हैं। वैसे तो भाजपा तथा संघ ने सावरकर को वैसी तवज्जो कभी नहीं दी थी जो अब दी जा रही है। इसका कारण गांधी–विरोध ही है। सावरकर भी गांधी हत्या कांड में संदिग्ध आरोपी थे। हालांकि वे सबूतों के अभाव में छूट गये थे। तो भी गांधी–नेहरू से भाजपा–संघ की घृणा का आयाम विस्तृत है।

महाकुंभ 2025 : आंखों देखी ....

महाशिवरात्रि पर स्नान के साथ ही पूरे विश्व का सबसे बड़ा पर्व महाकुंभ प्रयागराज में संपन्न एवं सम्पूर्ण हुआ और अपने अद्भुत अकल्पनीय आभास तथा अनुभूति के साथ सम्पूर्ण हुआ। लगभग 66 करोड़ देशी–विदेशी भक्तों के स्नान का समाचार है। सब ने इस मेले को अपने दृष्टि कोण से देखा अपनी मनोदशा से अनुभव किया। शासन ने धर्म के साथ अर्थ की भी अच्छी कमाई की।पत्रकारों ने सुर्खिय्याँ बटोरीं, श्रद्धालुओं ने पुण्य प्राप्त किया। इस भव्य आयोजन की धमक विदेशों तक गूगल के माध्यम से सुनाई देती रही और आगे भी सुनाई देती रहेगी। देशवासी भी कम चमत्कृत और गौरवान्वित नहीं हुए। बड़े पैमाने पर मेला क्षेत्र में ही नहीं प्रयागराज की सड़कों पर भी जगह –जगह श्रद्धालु भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन रहा। मेला क्षेत्र में 99 लाख में कचौड़ी वाले का लगा स्टाल आकर्षण का प्रमुख केन्द्र बना तो बोट क्लब की सैर ने आनंद भी दुगुना किया।

अब किसने कितनी बार और कहां डुबकी लगाई एवं कैसे पाप धोये, ऐसे बहुतेरे प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं। फिलहाल तो हम यह कह , सुन कर कि सनातनियों की श्रद्धा व आस्था के सैलाब ने पूरे विश्व को चमत्कृत किया है, फूले नहीं समा रहे हैं। यह सब लिखते वक्त मुझे भी उनकी तरह पीड़ा है जो स्नान नहीं कर पाये , दुख है कि यहां रहते हुए भी मैं अद्भुत संयोग वाला स्नान नहीं कर पायी। कैसे करती ? बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की अनियंत्रित भीड़ सड़कों पर देख मेरी आस्था घर में ही स्वयं पर बाल्टी भर पानी उड़ेल संतुष्ट हुई। अतिथि की सेवा और सुविधा के लिए मुझे यह त्याग करना ही था।

उपलब्धियां इतनी आसानी से नहीं मिलतीं और सफलताएं भी मुश्किलों के रास्ते ही आती हैं। जिनको महाकुंभ स्नान कर पुण्य कमाना था , वो तमाम मुश्किलों के बाद भी आये और नहाकर हर हर गंगे का जय घोष करते लौट गये। कुछ ऐसे भी आये होंगे, जिनके आने का उद्देश सिर्फ फोटो खिंचवाना रहा होगा, लेकिन अधिकांशतः इनमें वो थे ,जो अपने घर के बुजुर्गों की इच्छा पूरी करने लंबी यात्रा तय करते हुए आये थे। सनातन धर्म का झंडा थामे युवाओं का जोश भी चरम पर रहा। इस दौरान प्रयागराज की सड़कें ही नहीं आसपास के राज्यों से जुड़ी सड़कें भी आरटीओ का चलता फिरता शो रूम नजर आईं। राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक, तमिलनाडु ए असम , हिचाचल , छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश जैसे राज्यों की सरपट दौड़ती गाड़ियों ने तो जैसे रात और दिन का फर्क ही मिटा दिया। जो छोटे मोटे ढाबे अक्सर अनदेखे रह जाते थे , वो भी यात्रियों को जमकर चाय पकोड़े खिला रहे थे । अकेले चाय वालों ने हाईवे पर रोजाना दो से पांच हजार की कमाई की। हालांकि वो फिर भी मेला क्षेत्र पर इस तरह कमाई करने वालों का कोई मुकघबला नहीं कर सके। इधर पर्याप्त जानकारी के अभाव में खाने –पीने की असुविधा का सामना करते भी लोग मिले । जो बाद में सोशल मीडिया पर लोगों को लंबे जाम की स्थिति और कम से कम दो दिन का खाना –पानी लेकर ही प्रयागराज आने की सलाह दे रहे थे। मजे की बात बताऊं कोरोना काल के बाद पहली बार कुंभ स्नान के मौकघे पर मैंनै इतने लोगों को सोशल मीडिया पर रील बनाते और पोस्ट करते देखा।

योगी सरकार के इंतेजामात एक हिसाब से तो ठीक–ठाक थे लेकिन दूसरे हिसाब से कई खघमियां बताईं गईं। जिसे आखघ्रि –आखघ्रि तक दुरुस्त करने की कवायद भी चलती रही। 29 जनवरी के शाही स्नान में मची भगदड़ इसका सबसे बड़ा प्रमाण रही। जिससे सबकघ लेते हुए बाद में घाटों पर लोगों की भीड़ नियंत्रित करने के प्रयास बढ़ाए गए। सोशल मीडिया पर भी यहां से लोगों ने आने वाले साथी श्रद्धालुओं को प्रापर गाइड किया। शायद इस वजह से भी बाद में कोई वैसा हादसा नहीं हुआ। किसी ने कहा कि व्यवस्था हमीं बनाते और हमीं बिगाड़ते है। इसमें सरकार का क्या दोष? लेकिन जब मेला क्षेत्र के लिए गुजरात की महिलाओं को सुबह आठ बजे से चल चल कर शाम साढ़े सात बजे तक भी कोई वाहन नहीं मिला तो महाकुंभ स्नान का उनका सारा जोश कहीं न कहीं कुम्हलाया भी। कहने लगीं कि मेला तक जाने वाली बसें न तो रुक रही हैं न हमें बिठा रही हैं। न आटो वाले जा रहे हैं, जो जा रहे हैं वो अनाप –शनाप रेट मांग रहे हैं। अब अपने ही देश के लोगों को लूटेंगे। रास्ते में न कहीं पीने के पानी की व्यवस्था और न शौचालय की । इस महाकुंभ में स्नान कर पुण्य कमाने वाली महिलाएं शौचालय की व्यवस्था पर्याप्त न होने से बहुत परेशान रहीं। जगह – जगह बने बस अड्डों और पैदल बीस किलोमीटर चलने के दौरान भी कहीं कुछ न मिलने से लोग व्याकुल रहे। ठसाठस भरे मेला क्षेत्र में सोचिए लोगों का क्या हाल हुआ होगा?

ये तो बाहर से आए लोगों की परेशानी थी , यहां अपने ही घर में लगभग कघ्ध्द से हो गये लोग रोज यही मना रहे थे कि अब जल्दी से महाकुंभ खघ्त्म हो। सड़कों पर घंटों लगे जाम से छात्र, छात्राओं और शिक्षकों का स्कूल पहुंचना दूर्भर था। हद तो तब हो गई जब बोर्ड एक्जाम के पहले ही दिन बच्चे कघ्रीब आधे घंटे विलम्ब से और वो भी शिक्षकों के हस्तक्षेप के बाद ट्रैफिक से निकाले जा सके। प्राइमरी और हाइस्कूल के बच्चों की तो एक्जाम के ठीक पहले ही डेढ़ महीने की छुट्टी ही हो गई। कघ्रीब –कघ्रीब यही हाल बाकघ्ी कामकाजी लोगों का रहा।

खघ्रै , जिस दिन भगदड़ मची थी , उस दिन कुछ श्रद्धालुओं की मौत वाले हादसे ने या कहूं महाकुंभ की अनुकम्पा से आम लोगों ने सामर्थ्य से ज्यादा मानवीयता का प्रदर्शन किया। आम लोगों में गैर हिन्दुओं ने भी ऐसे भूख प्यास से परेशान लोगों को अपने घर,स्कूल,कालेज, मार्केट, इमामबाड़े, खघनकघह, मस्जिद और मदरसे आदि में ठहरने की व्यवस्था की। खाने–पीने का इंतजाम किया और ठंड से बचने के लिए उन्हें गर्म कपड़े,कम्बल आदि उपलब्ध कराये। प्रयागराज की जनता ने इस महाकुंभ में ही एक बार फिर 'वसुधैव कुटुम्बकम्' को चरितार्थ कर, आपसी मेल मिलाप और बंधुत्व की मिसाल भी पेश की। विश्व भर को यह संदेश दिया कि भारत में आज भी साझा संस्कृति का प्रचलन है। यह देश मानवता वादियों का देश है। यहाँ का समाज संगठित है। देश भक्ति और राष्ट्रवाद यहाँ के वातावरण में है। विभिन्नता के इस देश में एकता की कोई कमी नहीं।

संगीता 'सुमन'
प्रयागराज उप्र

नजर से नजर तुम चुरा क्यों रहे हो ?

हमें देखकर मुस्करा क्यों रहे हो ,
मिलाके नजर फिर झुका क्यों रहे हो ?

मिरे दिल की धड़कन बढ़ने लगी है ,
नजर से नजर तुम चुरा क्यों रहे हो ?

इरादा अगर साथ देने का है तो ,
जियादा बहाने बना क्यों रहे हो ?

चलो भूल जाओ पुरानी कहानी ,
वही घूम फिर के सुना क्यों रहे हो ?

नई राह मिलकर बनानी हमें है ,
अकेला मुझे छोड़ जा क्यों रहे हो ?

अगर साथ तुमको चलना नहीं तो ,
इशारों –– इशारों बुला क्यों रहे हो ?

बिना साथ के अब न मंजिल मिलेगी ,
ये दूरी दिलों की बढ़ा क्यों रहे हो ?

किया प्यार तुमने नहीं दिल से वरना ,
जो वादे किए वो भुला क्यों रहे हो ?

पता एक ही है, है जाना जहां 'जय',
इधर से उधर फिर घुमा क्यों रहे हो ?

जयराम जय
'पर्णिका'बी–11/1,कृष्ण विहार,
आवास विकास, कल्याणपुर,
कानपुर–208017(उ०प्र०)
मो० नं० 9415429104–9369848238

नई राजनीति की जरूरत, पुराने चेहरों का बोझ

अरविन्द मोहन

आखिरकार निशांत कुमार का बयान भी आ गया कि एनडीए को चाहिए कि नीतीश को कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाए रखने की घोषणा कर दे। निशांत माने नीतीश कुमार के पुत्र। पहली बार सार्वजनिक रूप से ऐसा बयान देकर उन्होंने कई तरह के संकेत दिए। निश्चित रूप से पहला संकेत तो राजनीति में आने का है। बीते बीस साल से मुख्यमंत्री के संग रहने और अकेली संतान होने के चलते सारा लाड़–प्यार पाने के बावजूद अभी तक उनके किसी आचरण को लेकर किसी तरह की चर्चा नहीं थी। बल्कि वे इतने शांत और सावधान तरीके से रहते थे कि काफी सारे राजनैतिक पंडित उनके सामान्य होने पर ही शक करते थे। अब अगर वे बीआईटी मेसरा से इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद और पचास साल की उम्र में और पार्टी तथा समाज के अनेक पक्षों से बार–बार की जा रही मांग के बाद सक्रिय होने का फैसला करते हैं तो उन्हें शुभकामना दी जा सकती है। अपनी स्वर्गवासी मां के जन्मदिन पर आयोजित किसी कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही और जदयू का प्रदर्शन पहले से बेहतर होने की बात भी कही। यह संयोग है कि उनका कहना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने बिहार दौरे में नीतीश जी को 'लाड़ला मुख्यमंत्री' बताने के दो दिन बाद ही हुआ। प्रधानमंत्री ने इस दौरे के साथ ही भाजपा और एनडीए के चुनाव अभियान का शंखनाद भी कर दिया। इसमें की लोगों को पांच साल पहले बीच कोरोना में हजारों रंगीन टीवी सेट के माध्यम से बिहार में आनलाइन शंखनाद करने वाला प्रसंग भी याद आया क्योंकि प्रधानमंत्री ने एक साथ बिहार के सारे कोनों को छू लिया था। उन्होंने नीतीश जी को आगे रखकर चुनाव लड़ने की घोषणा नहीं की। शायद उनके पास ऐसा कोई और नाम है भी नहीं। लेकिन बीते साल भर में एनडीए और भाजपा की तरफ से यह कहा जाता रहा है। कमाल यह है कि इसके बावजूद निशांत कुमार को यह बात दोहराने की जरूरत हुई। बीते दो–तीन महीनों में विपक्षी राजद की तरफ से नीतीश कुमार के एक बार फिर से पाला बदलने की बात उछाली जा रही है और लालू प्रसाद यादव ने अब भी नीतीश का स्वागत करने की बात भी चला दी है। खुद नीतीश कुमार भी इस सवाल पर अपने ही आचरणों से संदेह गहरा रहे हैं। दिल्ली के अपने दो दौरों में उन्होंने भाजपा के किसी नेता से भेंट नहीं की या भाजपा के शीर्ष नेताओं ने उन्हें समय न दिया। वे दिल्ली में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण में भी नहीं ये जबकि एनडीए के बाकी सभी मुख्यमंत्री ये। उससे भी ज्यादा चर्चा उनकी पार्टी के दो बड़े नेताओं का दिल्ली आकर पूरी तरह भाजपा के रंग में रंगना है और इसे ही राजनैतिक पंडित नीतीश कुमार की घेराबंदी बताते हैं। नीतीश बिहार में भी भाजपा के एक गुट के व्यवहार को लेकर बहुत प्रसन्न नहीं रहते। यह समूह भाजपा के अकेले चुनाव लड़ने की वकालत भी करता है। यह अटकल भी लगती है कि चुनाव तक भाजपा उनको आगे रखकर बाद में कोई और पद या जिम्मा दे देगी। नीतीश और उनके समर्थक यह नहीं चाहते। अब जाने अनजाने भाजपा का समर्थन आधार बढ़ता गया है लेकिन अगड़ों को छोड़कर कोई और सामाजिक समूह पक्काा समर्थक नहीं है–बीच के प्रयास नीतीश मामले में हां–ना के चक्कर में खिसक गया है। इसलिए निशांत के बयान का एक तीसरा मतलब भाजपा के संग अपनी पार्टी के अगड़े नेताओं के लिए भी है जिनकी भाजपा से नजदीकी जगजाहिर है। यही लोग नीतीश कुमार के पाला बदलकर भाजपा के संग आने का माध्यम भी बने थे और अभी दिल्ली में जमे हैं। भाजपा को भी इस बयान का मतलब यह निकालना चाहिए कि नीतीश कुमार ललन सिंह, विजय चौधरी और संजय झा जैसों के समांतर किसी अपने और ज्यादा भरोसेमंद को खड़ा करना चाहते हैं। निशांत पिता की इच्छा देखकर ही पंख फैलाना शुरू कर रहे हैं। इस क्रम में आईएएस रामचन्द्र प्रसाद सिंह का प्रसंग याद करना चाहिए जो ज्यादा पंख फैलाकर झुलस चुके हैं। जब वे नीतीश जी के साथ थे तो बिना राजनैतिक पृष्ठभूमि के भी सबसे भरोसेमंद थे। दूसरी ओर, कांग्रेस और राजद के रिश्ते एनडीए के घटकों से भी ज्यादा खराब हैं। हरियाणा का चुनाव हारने के बाद तो अखिलेश और तेजस्वी का रुख भी बदला। दिल्ली चुनाव ने दूरी और बढ़ाई और अब तो एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी भी शुरू हों गई है। भाजपा की तरह कांग्रेस में भी कुछ लोग अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने की वकालत कर रहे हैं। कांग्रेस का भी आधार या स्वीकृति बढ़ी है लेकिन कोई एक या दो ठोस सामाजिक आधार नहीं है। मुसलमान समर्थक हैं लेकिन राजद साथ न हो तो उनका वोट मिलने का भरोसा नहीं है। संगठन कमजोर है और अगर कन्हैया कुमार और पप्पू यादव जैसे उत्साही उसके पास हैं तो लालू–तेजस्वी उनको जमीन देने को तैयार नहीं हैं। लालू जी ने पिछले लोकसभा चुनाव में अहीरों को काम टिकट, कोइरी समाज को ज्यादा टिकट और वाम दलों समेत सारे विरोधियों को साथ लेकर अच्छी टक्कर दी लेकिन पहले दो राउंड के बाद भाजपा फिर से जंगल राज का शोर मचाकर बाजी पलट दी। इस बार यह शोर पहले से मच रहा है। दूसरी ओर भाजपा सरकार ने लालू जी और उनके परिवार पर कानूनी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है जो चुनाव पास आने तक नाटकीय रूप ले लेगा। लालू जी इससे निजी रूप से कमजोर पड़ें न पड़ें, राजनैतिक रूप से कमजोर होंगे। उधर राजद का मतलब अहीर और मुसलमान गठजोड़ से आगे बढ़ ही नहीं रहा है और ऐसा गठजोड़ जैसे ही ताकतवर दिखता है भाजपा को सुविधा हो जाती है और गैर यादव पिछड़ों का वोट बढ़ जाता है तथा अगड़ों का वोट ज्यादा गोलबंद होकर मिलता है। जब तक नेतृत्व में हिस्सेदारी और लोकतान्त्रिक व्यवहार की उम्मीद न हों दूसरे पास आते नहीं और लालू जी से परिवार से अलग नेता और लोकतान्त्रिक आचरण की उम्मीद करना कुछ ज्यादा ही मुश्किल लक्ष्य है। दुर्भाग्य यह है कि जिस बिहार को अब नई राजनीति की जरूरत है वहां सब कुछ दो थके पुराने चेहरों के इर्द–गिर्द चलता दिखता है।

भूमि पेडनेकर

बोलीं– पूरी तरह से टूट चुके थे, मैं यशराज और आदी सर की जितनी भी शुक्रगुजार होऊं, कम है

भूमि पेडनेकर अपनी नई फिल्म श्मेरे हसबैंड की बीवीश में एक पत्नी की भूमिका निभाने जा रही हैं। इस फिल्म को लेकर और रियल लाइफ में महिला और शादी के मुद्दों पर उन्होंने अपनी बात रखी है। अपने गुजरे वक्त को याद कर कहा– हम भावनात्मक रूप से टूटे हुए थे, आर्थिक रूप से टूट चुके थे। हम वाकई पूरी तरह से टूट चुके थे । भूमि पेडनेकर अपनी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवीश को लेकर चर्चा में हैं भूमि ने कहा–मैं यशराज और आदी सर (आदित्य चोपड़ा) की जितनी भी शुक्रगुजार होऊं, कम हैउन्होंने कहा– मैं अर्जुन को उस जमाने से जानती हूं जब मैं यशराज में असिस्टेंट कास्टिंग डायरेक्टर थी भूमि पेडनेकर इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं जिन्होंने अपने करियर में हर रंग की भूमिकाएं की हैं। अपने किरदारों के जरिए महिला मुद्दों को मुखर करने वाली भूमि कई फिल्मों में पत्नी की अलग–अलग भूमिकाओं में नजर आ चुकी हैं। इन दिनों वे खबरों में हैं अपनी नई फिल्म श्मेरे हसबैंड की बीवीश से। इस मुलाकात में पत्नी का रोल निभाने वाली भूमि शादी, विमेन इश्यूज, अपने जीवन के मुश्किल दौर, फिल्म और अपने हीरो अर्जुन कपूर को लेकर खुल कर बातें करती हैं। शादी के लड्डू के बारे में कहा जाता है कि जो खाए वो पछताए और जो न खाए, वो भी पछताए, मगर आज के दौर में ये भी देखने मिल रहा है कि लोग शादी नहीं करना चाहते, आप मैरिज इंस्टीट्यूशन के बारे में क्या सोचती हैं? –मुझे लगता है कि आज शादी करने के रीजन अलग हो गए हैं। मैं एक लड़की के नजरिए से बता सकती हूं। ऐसा कहा जाता था कि शादी जल्दी करो क्योंकि आपका भविष्य ही शादी है। अब हुआ ये है कि कई लड़कियां आत्मनिर्भर हैं, तो अब ऐसा है कि मैं तो पहले से सेटल हूं, तो अब मुझे जो चाहिए, वो कंपैनियनशिप है। जहां तक मेरी बात है, तो मैं शादी में गहरा विश्वास करती हूं मगर मेरा मानना है कि मैं शादी कंपैनियनशिप के नजरिए से करना चाहूंगी।

क्या आप मानती हैं कि लड़कों की तुलना में लड़कियों पर शादी का प्रेशर ज्यादा होता है?

–बिलकुल। अगर आप रेशियो देखने जाएं, तो ये प्रेशर अब भी बहुत ज्यादा होता है। मेरी अपनी सहेलियां हैं, जिन्होंने अर्ली ट्वेंटीज में बहुत यंग एज में शादी कर ली। कइयों की शादियां चली भी नहीं। उन्होंने अपनी शादी में बहुत मुश्किल समय देखा। मगर कई ऐसी भी हैं, जो अपनी मैरिज में बहुत खुश हैं। कइयों ने लेट शादी भी की है और वो भी खुश हैं, तो मुझे लगता है कि इसका सही या गलत जवाब नहीं हो सकता। हर इंडिविजुअल लड़की के लिए शादी अलग हो सकती है क्योंकि हर लड़की की जिंदगी अलग है, उसके सपने अलग हैं। मेरा सिर्फ ये कहना है कि शादी किसी भी लड़की के लिए गले का फंदा नहीं होना चाहिए। शादी में लड़कियों को फ्रीडम मिलनी चाहिए। शादी एक ऐसी संस्था होनी चाहिए जो आपको एम्पावर करे, आपको सक्षम बनाए न कि आपको पीछे खींचे। मगर कहीं न कहीं मुझे लगता है कि आजकल की मॉडर्न लड़कियों में शादी को लेकर एक घबराहट आ गई है। मेरा मानना है कि अगर आपको सही पार्टनर मिलेगा, जो आपको बढ़ावा देगा और आपके सपने नहीं छीनेगा तो वो घबराहट भी चली जाएगी।

महिला मुद्दों की बात करूं, तो आपने हमेशा अपनी फिल्मों में विमेन इश्यूज को अपनी आवाज दी है, आपको असल जिंदगी में महिलाओं से जुड़ी कौन–सी बातें परेशान करती हैं?

–इसका जवाब बहुत जटिल है। हाल ही में हम एक साहित्य सम्मेलन में थे और मैंने वहां सआदत हसन मंटो साहब की कहानी श्खोल दोश पढ़ी थी। बंटवारे के दौरान औरतों पर जो बीती, उसमें से श्खोल दोश एक कहानी है। (कहानी में सकीना नामक लड़की अनेकों बार बलात्कार की शिकार होती है) आज भी जब मैं औरतों के साथ होने वाले पाशविक बर्ताव की खबरें पढ़ती हूं, तो मुझे लगता है कि वो कहानी मंटो साहब ने अस्सी साल पहले लिखी थी, मगर वो सिचुएशन आज भी है। हमारे पास डेवलपमेंट आ गई है और टेक्नॉलजी में हम काफी संपन्न हुए हैं। हमारे पास भयंकर बीमारियों का इलाज हैं, कई तरह के वैक्सीन आ गए हैं, मगर हमारे समाज की जो मूलभूत समस्या है, वो जस की तस है। हम आधुनिक और उन्नत हुए हैं, मगर महिलाओं के शोषण का जो सिलसिला है, वो गैप दूसरी चीजों की तरह तेजी से कम नहीं हुआ है। बहरहाल इस पर तो बहुत लंबी चर्चा हो सकती है क्योंकि आप जानती हैं कि मेरे व्यू काफी स्ट्रॉन्ग रहे हैं। मुझे मेरी फिल्मों ने जरिया दिया कि मैं अपने विभिन्न किरदारों के माध्यम से उन विचारों को मुखर कर सकूं। मैं अपने महिला पात्रों के जरिए दर्शकों पर एक अलग छाप छोड़ने में यकीन करती हूं और ये सिलसिला आगे भी चलता रहेगा।

आपके लिए अब तक का सबसे मुश्किल दौर कौन–सा था?

–मुझे लगता है मेरे लिए उससे ज्यादा मुश्किल दौर कोई नहीं हो सकता, जब मैंने अपने पिता को खोया था। ऐसा कठिन वक्त मैं अपनी जिंदगी में दोबारा नहीं देखना चाहूंगी। मेरे पिता कैंसर से चल बसे थे और वो वक्त हमारे परिवार के लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि हम भावनात्मक रूप से टूटे हुए थे, आर्थिक रूप से टूट चुके थे। हम वाकई पूरी तरह से टूट चुके थे और ऐसा होता है, जब परिवार के एक सदस्य को किसी ऐसे असाध्य रोग से गुजरना पड़े। हम तब काफी यंग थे। मगर फिर एक खूबसूरत चीज ये हुई कि मुझे यशराज में नौकरी(असिस्टैंट कास्टिंग डायरेक्टर) मिल गई और उस एक नौकरी ने मेरी जिंदगी बदल दी।

नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म डाकू महाराज के ओटीटी पर रिलीज होने का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. ये फिल्म 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब ओटीटी पर भी दस्तक दे चुकी है. डाकू महाराज आर नेटफ्लिक्स पर कई भाषाओं में रिलीज हुई है. फिल्म के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने से कई खबरे आ रही थीं कि ओटीटी वर्जन से उर्वशी रौतेला के सीन हटा दिए गए हैं. इस पर उर्वशी ने चुप्पी साधी हुई थी. अब फिल्म रिलीज हो गई है और इस अफवाह पर विराम लग गया है. नहीं डिलीट हुए हैं सीन्स बता दें नेटफ्लिक्स वर्जन से उर्वशी रौतेला का एक भी सीन डिलीट नहीं हुआ है. उनका गाना दबिडी दिब्बी भी वैसा ही है जैसा रिलीज हुआ था. उर्वशी के सीन्स डिलीट होने की अफवाह तब शुरू हुई थी जब नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म के ओटीटी रिलीज की अनाउंसमेंट की थी और उसमें उर्वशी रौतेला नजर नहीं आईं थीं. नेटफ्लिक्स का ये पोस्ट हुआ था वायरल नेटफ्लिक्स ने डाकू महाराज का सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर किया था. जिसमें उर्वशी नहीं थी. हालांकि जब उर्वशी को लेकर अफवाह उड़ने लगी तो नेटफ्लिक्स ने एक पोस्ट शेयर किया था जिसमें एक्ट्रेस की कई सारी फोटोज थी. अब भी नेटफ्लिक्स ने एक पोस्ट शेयर किया है. जिसमें लिखा है– डाकू महाराज आ गए हैं. तूफान शुरू हो गया है. डाकू महाराज को अब नेटफ्लिक्स पर तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में देखें! फिल्म की बात करें तो डाकू महाराज एक एक्शन ड्रामा फिल्म है जिसे बॉबी कोल्ली ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में नंदमुरी बालकृष्ण के साथ उर्वशी रौतेला, बॉबी देओल, प्रज्ञा जयसवाल अहम किरदार निभाते नजर आए हैं. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई की है. अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी ये फिल्म लोगों का दिल जीत रही है.

कृति सेनन काफी दिनों से अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में हैं। अफवाह है कि एक्ट्रेस बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों के जल्द ही शादी करने की अफवाह भी सामने आई थी। हालांकि शादी की अफवाह झूठी साबित हुई हैं। साल 2025 में शादी नहीं करेंगी कृति इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, कृति और कबीर साल 2025 में शादी नहीं करेंगे। इसकी वजह एक्ट्रेस का बिजी वर्क शेड्यूल बताया जा रहा है। एक्ट्रेस 15 फरवरी को रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ नई दिल्ली एयरपोर्ट पर नजर आई थीं। जिससे ये अनुमान लगाया जा रहा था कि वो कबीर के पेरेंट्स से मिलने के लिए दिल्ली पहुंची थी। अब कृति के दिल्ली जाने की असल वजह सामने आई है। एक्ट्रेस अपनी अपकमिंग फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग शुरू करने के लिए दिल्ली गई थीं। रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर के साथ दिखीं कृति 15 फरवरी को दोनों दिल्ली एयरपोर्ट पर साथ दिखे। जिसके बाद दोनों का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ। एक्ट्रेस के रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर दिल्ली के रहने वाले हैं। ऐसे में सोशल मीडिया यूजर्स कयास लगाने लगे थे कि कृति, कबीर के पेरेंट्स से मिलने के लिए दिल्ली पहुंची थीं।दोनों ने न्यू ईयर साथ सेलिब्रेट किया कृति सेनन और बिजनेसमैन कबीर बहिया अक्सर साथ नजर आते हैं।

आखिर किसके लिए गुलाब लेकर योगा क्लास पहुंचीं मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा व्हाइट स्पोर्ट्स ब्रा और ब्लू शॉर्ट्स में योगा क्लास पहुंचीं और उनके हाथों में गुलाब का फूल फैंस का ध्यान खींचता नजर...

डीप नेक क्रॉप टॉप में जॉर्जिया एंड्रियानी को देख फैंस हुए लट्टू

जॉर्जिया एंड्रियानी फिटेड वर्कआउट आउटफिट में काफी हॉट लग रहीं हैं, तो आइए डालते हैं एक नजर उनकी इन तस्वीरों...

प्रिंटेड थाई–हाई स्लिट ड्रेस में कृति सेनन ने पपराजी को दिए किलर पोज

कृति सेनन फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के घर से बाहर आते हुए पपराजी के कैमरे में कैप्चर...

ब्रेकअप के बाद एक्स के सामने भीख मांगकर न करें टाइम वेस्ट, ऐसे करें मूव ऑन

हर कोई हमेशा के लिए आपकी जिंदगी में नहीं रहता है। जिस व्यक्ति के साथ आप जिंदगी गुजारने के सपने देखते है, कई बार उसी के साथ हकीकत में रहना मुश्किल हो जाता है और ऐसे एक रिश्ते का अंत हो जाता है। रिश्ते का अंत हमेशा अच्छा नहीं होता और न ही हमेशा दर्दनाक होता है। ब्रेकअप से पल भर में उबरना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है। हालाँकि, थोड़े समय के बाद कुछ लोग खुद के दिल और दिमाग को समझा लेते है। लेकिन कई लोग ब्रेकअप की वजह से अंदर तक टूट जाते हैं। इन लोगों को ब्रेकअप के बाद अपनी जिंदगी खत्म

सी लगने लगती है। यह सब तक होता है जब लोग रिश्ते के टूट जाने को स्वीकार नहीं कर पाते हैं। यहीं वजह है कि यह लोग ब्रेकअप होने के बाद भी अपने एक्स को कॉल या मैसेज करते रहते हैं। इतना ही नहीं ये लोग अपने एक्स से वापस आने की भीख तक मांगने लगते हैं। एक्स को वापस पाने के लिए उससे भीख मांगना कितना सही है? भीख मांगने से एक्स वापस आए या नहीं, लेकिन ऐसा करने से आप खुद की नजरों में अपनी इज्जत खो देते हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं जो ब्रेकअप के दौरान मूव ऑन करने में आपकी मदद करेंगी।

अकेले में जी भर कर रो लें– ब्रेकअप के बाद मूव ऑन करने में परेशानी हो रही है तो एक बार अकेले में जी भर के रोकर देखें। इससे आपके दिल और दिमाग दोनों को सुकून मिलेगा। रोने से मन हल्का होता है और एक बार जी भर कर रोने में कोई बुराई नहीं है। हालाँकि, इसके बाद कसम खा लें कि एक्स के बारे में सोचकर आप फिर कभी नहीं रोने वाले हैं।

बाहर निकलकर चीजें एक्स्प्लोर करें– ब्रेकअप के बाद लोग अपने आपको एक कमरे में बंद कर देते है। कुछ तो इस हद तक पागल हो जाते है कि उन्हें सूरज की रोशनी से ही नफरत हो जाती है। ऐसे लोगों के लिए मूव ऑन करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए बेहतर यही है कि ब्रेकअप के बाद खुद को कमरें में कैद करने की बजाय आसपास की चीजें और जगहें एक्स्प्लोर करना शुरू करें। अकेले बाहर निकलेंगे तो आपके अंदर आगे बढ़ने का कॉन्फिडेंस आएगा, जो आपको मजबूत बनाने में मदद करेगा।

कुछ नया सीखें– किसी भी दुख को भुलाने का यह सबसे आसान तरीका का है। आप अपनी पसंद की किसी चीज पर ध्यान केंद्रित करें या फिर कुछ नया सीखे जो आपको नहीं आता है। ऐसा करने से आप व्यस्त रहेंगे और आपके दिमाग में नकारात्मक ख्याल भी नहीं आएंगे। कुछ नया सीखने का कदम आपको खुशी देगा और कुछ समय बाद यह आपको खुद से प्यार करने पर मजबूर कर देगा।

इस होलिका दहन पर मालपुए को दें हेल्दी ट्विस्ट, रागी के आटे से बनाएं मालपुआ

यह तो हम सभी को मालूम है कि होली से एक दिन पहले होलिका दहन के रुप में होली पूजी भी जाती है। इस दिन पूजा के साथ खूब मौज–मस्ती की जाती है और तरह–तरह के पकवान बनाएं जाते हैं। कई लोग भगवान को अर्पित करने के लिए उनकी पसंद का भोग भी चढ़ाते हैं और उनकी कृपा पाने का हर संभव प्रयास भी करते हैं। वैसे तो इस दिन गेहूं और गुड़ से बनी रोटी का सेवन काफी शुभ माना जाता है और सफेद व्यंजन का सेवन करने से बचा जाता है। ऐसे में हमारे लिए कुछ नया और डिफरेंट बनाना बहुत बड़ा टास्क है। आप भी यकीनन सोच रहे होंगी कि इस बार थाली को खास कैसे बनाएं। तो चलिए आपकी कंफ्यूजन को दूर करने के लिए हम बताते हैं आपको रागी मालपुआ बनाने का तरीका। ये बनाने में आसान है और खाने में भी बहुत टेस्टी लगता है....

सामग्री
मालपुआ के लिए
रागी आटा– 4 टेबल स्पून
गेहूं का आटा– 2 टेबल स्पून
दलिया– 1 कप
दूध– 2–3 टेबल स्पून
चीनी– स्वादानुसार
राइस ब्रान ऑयल– 1 टी स्पून
गार्निशिंग के लिए अनार
भरावन सामग्री
खरबूजे के बीज– 2 टी स्पून
नारियल, कद्दूकस किया हुआ– 2 टेबल स्पून
इलायची पाउडर– 1/2 टी स्पून
ऑर्गेनिक शहद– 1 टी स्पून

बनाने की विधि

1. सभी तरह के आटे को दूध के साथ मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें।
2. इसके बाद उसमें पिसी हुई चीनी मिलाएं।
3. अलग से एक पैन में थोड़ा सा राइस ब्रान ऑयल डालें। फिर बनाए गए मालपुआ के मिश्रण को पैन में डालकर दोनों तरफ से हल्का भून लें, जब तक वह हल्का भूरे रंग का न हो जाए।
4. हल्का नर्म रहने पर इसे पैन से निकालें और नारियल का मिक्सचर डालकर इसे फोल्ड कर लें।
5. गार्निशिंग के लिए इस पर अनार डालकर सर्व करें।

लाइट जलाकर सोने की आदत सेहत पर पड़ सकती है भारी, इन बीमारियों का बढ़ जाता है खतरा

हमारे आसपास कई लोगों को रात में लाइट जलाकर सोने की आदत होती है। जिसका मुख्य कारण अंधेरे से लगने वाला डर होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि लाइट ऑन करके सोना आपकी सेहत पर बेहद हानिकारक असर डालता है। आपको बता दें कि यहां पर हम बात सिर्फ रूम लाइट की नहीं बल्कि आपके टीवी या लैपटॉप की रोशनी की भी कर रहे हैं। इन सब की रोशनी आपके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है। साल 2022 में हुए एक स्टडी के मुताबिक, लाइट की रोशनी में सोने वाले लोगों ने बताया कि उन लोगों ने अच्छी नींद ली। लेकिन मस्तिष्क की रिकॉर्डिंग करने से सामने आया कि उन्होंने बहुत कम गहरी नींद ली है।

बता दें कि गहरी नींद लेना संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली के लिए अधिक महत्वपूर्ण है। लाइट जलाकर सोने वाले लोगों में मेटाबॉलिज्म और हार्ट पर प्रभाव होने की अधिक संभावना रहती है। इसके अलावा ऐसे लोगों के ब्लड सैंपल से पता चला कि कमरे की रोशनी में एक रात सोने से प्रतिभागियों के इंसुलिन प्रतिरोध में इजाफा हुआ है। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको लाइट जलाकर सोने वाले नुकसानों के बारे में बता रहे हैं। जिससे कि आप भी आने वाले खतरे को देखकर इस आदत को जल्द छोड़ सकें।

मोटापे का खतरा

महिलाओं पर किए गए अध्ययन से सामने आया है कि रूम लाइट या टीवी ऑन करके सोने वाले लोगों को गंभीर बीमारियां होने का खतरा रहता है। वहीं ऐसा करने वाले लोगों में मोटापे का जोखिम ज्यादा होता है। लाइट बंद कर सोने वाले लोगों को इन परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है। वहीं मोटापे के खतरे से कई गंभीर बीमारियों को भी बुलावा मिलता है। इसलिए अगर आप भी लाइट जलाकर सोते हैं तो आपको भी अपनी इस आदत को जल्द ही छोड़ना चाहिए।

डिप्रेशन

इसके अलावा रात में लाइट जलाकर सोने से अवसाद यानि की डिप्रेशन का जोखिम बढ़ जाता है। इतना ही नहीं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाली तेज नीली लाइट आपके मूड और स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है। बता दें कि लाइट नींद की कमी से संबंधित है। लाइट जलाकर सोने से मूड स्विंग होने और स्वभाव में चिड़चिड़ापन पैदा कर सकती है। साथ ही आपको अवसाद का भी सामना करना पड़ा सकता है। इसलिए नींद के दौरान लाइट जलाने से बचना चाहिए।

ब्लड शुगर लेवल का बढ़ना

रात में सोने के दौरान लंबे समय तक लाइट को जलाकर रखने से आपका ब्लड शुगर का लेवल बढ़ जाता है। इससे आपको डायबिटीज और इंसुलिन प्रतिरोध होने का खतरा बना रहता है। इसलिए कोशिश करें कि इस आदत को जल्दी छोड़ा जा सके। क्योंकि नींद का सीधा संबंध हमारी सेहत से होता है। लाइट शरीर के सिस्टम को डिस्टर्ब करने का काम करती है। जिससे कि आपकी बॉडी में बायोमैकेनिकल बदलाव होने लगते हैं। इस दौरान आपको हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज होने का खतरा रहता है।

न्यूली ब्राइड को वेडिंग रिसेप्शन में एकदम हटके लुक देंगे ये आउटफिट, गॉर्जियस दिखना है तो करें ट्राई

शादी हर लड़की के लिए बहुत ही खास मौका होता है अपने इस खास दिन को बेस्ट बनाने के लिए वह हर संभव प्रयास करती हैं। सिर्फ शादी ही नही बल्कि सारे फंक्शन में दुल्हन संजने संवरने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहती। मेहंदी, संगीत, हल्दी, रिसेप्शन शादी में कई फंक्शन होते हैं लेकिन सबसे खास होता है वेडिंग रिसेप्शन। वेडिंग रिसेप्शन में हर किसी की नजर नई नवेली दुल्हन अपने आउटफिट को लेकर अक्सर कंफ्यूज रहती है। ऐसे में आपको कुछ आज ऐसे आउटफिट्स बताते हैं जिन्हें न्यूली मैरिड ब्राइड रिसेप्शन में कैरी कर सकती है।

टीवी एक्ट्रेस दिशा परमार ने अपनी वेडिंग रिसेप्शन में शिमरी ब्लू कलर की चौली और लहंगा कैरी किया था ऐसे में अगर आप भी लाइट आउटफिट पहनना चाहती हैं तो यह आउटफिट एकदम परफेक्ट रहेगा।

अगर आपको हैवी साड़ी पसंद है तो अनुष्का शर्मा की यह रेड बनारसी साड़ी आप रिसेप्शन में कैरी कर सकती हैं। सिंपल मेकअप और हैवी बन के साथ आप रिसेप्शन लुक कंप्लीट कर सकती हैं।

शरारा सूट

रेड मैरुन कलर का यह शरारा सूट भी आपको रिसेप्शन में गॉर्जियस लुक देगा। इस आउटफिट के साथ आप कम्फर्टेबल भी रहेंगी और साथ में यूनिक लुक के साथ सभी की सुर्खियों का हिस्सा भी बन जाएंगी।

शिमरी साड़ी

आजकल शिमरी साड़ी काफी ट्रेंड में है। नई दुल्हन अपने

वेडिंग रिसेप्शन में इस तरह की सिल्वर साड़ी ट्राई करके शादी में और भी गॉर्जियस दिख सकती हैं। लाइट मेकअप और अपने मनपसंदीदा हेयरस्टाइल के साथ आप अपना वेडिंग लुक कंप्लीट कर सकती हैं।

संक्षिप्त

जीएसटी संग्रह से सरकार हुई मालामाल, फरवरी में खजाने में आए 1.84 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में सकल जीएसटी संग्रह 9.1 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। जीएसटी संग्रह बढ़ने के पीछे की वजह घरेलू लेनदेन के कारण मिला अधिक राजस्व है। सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व में घरेलू राजस्व में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.42 लाख करोड़ रुपये और आयात से राजस्व में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 41,702 करोड़ रुपये शामिल हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार, इस महीने के दौरान केंद्रीय जीएसटी से 35,204 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी से 43,704 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी से 90,870 करोड़ रुपये और क्षतिपूर्ति उपकर से 13,868 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। फरवरी के दौरान जारी किए गए कुल रिफंड 20,889 करोड़ रुपये था, जो एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 17.3 प्रतिशत अधिक है। फरवरी 2025 के दौरान शुद्ध जीएसटी संग्रह 8.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.63 लाख करोड़ रुपये हो गया। फरवरी 2024 में सकल और शुद्ध जीएसटी राजस्व क्रमशः 1.68 लाख करोड़ रुपये और 1.50 लाख करोड़ रुपये थे।

भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी दो वर्षो में 40 हजार रुपये ज्यादा बढ़ी, रिपोर्ट में जताया गया यह अनुमान

नई दिल्ली। सरकार की बेहतर नीतियों और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रणाली का फायदा उठाकर वित्तीय वर्ष 2024–25 (वित्त वर्ष 25) में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी मौजूदा कीमतों पर 2.35 लाख रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पिछले दो वित्तीय वर्षों में प्रति व्यक्ति जीडीपी में 40,000 रुपये से अधिक की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया, दिलचस्प बात यह है कि पिछले दो वित्त वर्षों में, प्रति व्यक्ति जीडीपी मौजूदा कीमतों पर 40,000 रुपये से अधिक बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, निजी खपत आर्थिक विकास के लिहाज से एक प्रमुख चालक रही है, खासकर स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और होटल सेवाओं जैसे क्षेत्रों में। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट के अनुसार प्रति व्यक्ति निजी खपत पिछले वर्ष के 4.6 प्रतिशत की तुलना में वित्त वर्ष 25 में 6.6 प्रतिशत की तेज गति से बढ़ी। हालांकि, पूंजी निर्माण, जो बुनियादी ढांचे और व्यवसायों में निवेश का सूचक है, उसके 6.1 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। जो वित्त वर्ष 24 में दर्ज 8.8 प्रतिशत से कम है। वैश्विक व्यापार पर रिपोर्ट में कहा गया है कि रुपये के कमजोर होने के बीच निर्यात में 7.1 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इस बीच, पूंजी निर्माण में सुस्ती और कमोडिटी की कम कीमतों के कारण आयात में नरमी आई है। एसबीआई ने कहा, ष्रुपये के कमजोर होने से रुपये के संदर्भ में निर्यात में 7.1 प्रतिशत का इजाफा हुआ और पूंजी निर्माण और कमोडिटी की कीमतों में मंदी के कारण आयात में गिरावट आईष्। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही (फ3) में भारत की आर्थिक वृद्धि में तेजी आई, जिसमें सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह दूसरी तिमाही (फ2) में दर्ज की गई सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.6 प्रतिशत की वृद्धि से सुधार दर्शाता है। इसी तरह, कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों, विशेष रूप से विनिर्माण में मजबूत प्रदर्शन के कारण सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में तीसरी तिमाही में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि दूसरी तिमाही में यह 5.8 प्रतिशत थी। इन सकारात्मक रुझानों के साथ, एसबीआई रिपोर्ट ने वित्त वर्ष 25 के लिए भारत जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को भी संशोधित कर 6.5 प्रतिशत कर दिया है, जो 7 जनवरी को प्रकाशित प्रथम अग्रिम अनुमान (एफएई) में 6.4 प्रतिशत के पहले के अनुमान से अधिक है। रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि धीमी पूंजी निर्माण जैसी चुनौतियों के बावजूद, भारत की आर्थिक गति मजबूत बनी हुई है, जिसे बढ़ी हुई खपत, नीतिगत उपायों और औद्योगिक विकास का समर्थन प्राप्त है।

पर्सनल लोन की वृद्धि दर जनवरी में घटकर 14.2 फीसदी पर, उद्योगों के कर्ज में बढ़ोतरी

मुंबई। वाहनों और क्रेडिट कार्ड के बकाये में कमी से जनवरी के पहले पखवाड़े तक पर्सनल लोन की वृद्धि दर घटकर 14.2 फीसदी पर आ गई है। एक साल पहले समान अवधि में यह दर 18.2 फीसदी रही थी। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, गैर–खाद्य क्षेत्र को दिए गए कर्ज की वृद्धि दर 12.5 फीसदी रही है जो एक साल पहले समान अवधि में 16.2 फीसदी रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, 24 जनवरी, 2025 को समाप्त पखवाड़े में कृषि और संबंधित गतिविधियों के लिए ऋण में 12.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। एक साल पहले यह 20 फीसदी थी। उद्योग को दिया गया कर्ज मामूली बढ़कर 8.2 फीसदी रहा है, जबकि पिछले वर्ष इसी पखवाड़े में यह 7.5 फीसदी था।ष्आरबीआई ने रिपोर्ट में कहा, प्रमुख उद्योगों में पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और परमाणु ईंधन, बुनियादी धातु और धातु उत्पाद, केमिकल और रासायनिक उत्पाद और सभी इंजीनियरिंग के बकाया कर्ज में कमी आई है। आरबीआई ने यह आंकड़ा 41 चुनिंदा वाणिज्यिक बैंकों के आधार पर जारी किया है।

क्या है पर्सनल लोन ?

पर्सनल लोन आकस्मिक ज़रूरतों के लिए कम समय में, कम दस्तावेज़ों के बैंकों से मिलने वाला कर्ज है। इससे व्यक्तियों के लिए आर्थिक इमरजेंसी के समय धन का उपयोग करना आसान हो जाता है। अपनी भुगतान क्षमता के अनुसार उधार लेना याद रखें क्योंकि जितना आप चुका सकते हैं उससे अधिक उधार लेना आपको कर्ज के जाल में फंसा सकता है। पर्सनल लोन का सबसे अहम फायदा यह है कि आपकी आकस्मिक ज़रूरतों के लिए यह सबसे कारगर है। इसके अतिरिक्त आप इलाज के लिए, शादी या दूसरे समारोहों के लिए, घूमने व आदि ज़रूरतों के लिए पर्सनल लोन ले सकते है। हालांकि, जितना कम आप उधार लेंगे, उतनी ही आसानी से आप राशि का भुगतान कर पाएंगे। इसलिए, केवल आपातकाल के मामले में उधार लें और इसलिए नहीं कि यह आसानी से उपलब्ध है।

शमी की जगह इस गेंदबाज को मिल सकता है मौका, रोहित के खेलने पर संशय, शुभमन करेंगे कप्तानी ?

दुबई। चौंपियंस ट्रॉफी में रविवार को ग्रुप–ए में भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला दुबई में खेला जाएगा। इसी मुकाबले के साथ ग्रुप स्टेज की समाप्ती हो जाएगी। यह मुकाबला दिलचस्प रहने वाला है क्योंकि इससे ग्रुप–ए के टेबल टॉपर का फैसला होगा। अब तक अजेय भारतीय टीम का फोकस स्पिन को बेहतर खेलने पर होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ इस मैच में उन खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है जो अब तक बाहर बैठे हैं। रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी के खेलने पर सबसे ज्यादा संशय है। ऐसे में शमी की जगह अर्शदीप सिंह को मौका मिल सकता है। वहीं, रोहित अगर नहीं खेलते हैं तो शुभमन गिल कप्तानी करते दिख सकते हैं। रोहित की जगह ऋषभ पंत को खिलाया जा सकता है।

न्यूजीलैंड के स्पिनर्स के खिलाफ असली टेस्ट

आखिरी ग्रुप मैच जीतने से भारत ग्रुप ए में शीर्ष पर रहेगा। अब सेमीफाइनल में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका या ऑस्ट्रेलिया से हो सकता है और दोनों के पास बेहतरीन स्पिनर हैं। ऐसे में न्यूजीलैड के स्टार स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की परख हो सकती है। भारत ने दोनों मैच जीते हैं, लेकिन स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया है। भारत के स्टार बल्लेबाजों ने बांग्लादेश के स्पिनरों मेहदी हसन मिराज और रिशाद हुसैन के खिलाफ जोखिम लेने से बचने की रणनीति अपनाई थी। यही तरीका उन्होंने पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद के खिलाफ भी अपनाया और ये तीनों गेंदबाज काफी किफायती साबित हुए थे।

भारत के सामने सैंटनर–ब्रेसवेल की चुनौती होगी

अब भारत के सामने मिचेल सैंटनेर और माइकल ब्रेसवेल की चुनौती होगी जो इस टूर्नामेंट में स्पिन के सामने सबसे कठिन परीक्षा भी रहेगी। दोनों कीवी स्पिनर अच्छे फॉर्म में हैं और दुबई की पिच पर और प्रभावी साबित हो सकते हैं। भारतीय बल्लेबाज स्पिनरों को इक्के दुक्के रन लेकर बड़े शॉट तेज गेंदबाजों के खिलाफ खेलते आए हैं, लेकिन अब उन्हें 20 ओवर सेंटनेर और ब्रेसवेल का सामना करना है। ग्लेन फिलिप्स भी बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ किफायती साबित हो सकते हैं।

विराट–श्रेयस और गिल पर होगा दारोमदार

पिछले साल के आखिर में घरेलू टेस्ट सीरीज में सैंटनर और फिलिप्स के खिलाफ भारत का अनुभव अच्छा नहीं रहा है। भारत को उसमें 3–0 से हार झेलनी पड़ी थी और अब यहां इन दोनों के साथ ब्रेसवेल भी हैं जिन्होंने अब तक दो मैचों में बेहतरीन गेंदबाजी की है। ऐसे में फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल, पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक जमाने वाले विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को प्रभावी प्रदर्शन करना होगा।

दुबई में स्पिनर्स को हो सकता है फायदा

टूर्नामेंट से पहले टीम में पांच स्पिनरों (रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और वॉशिंगटन सुंदर) के चयन को लेकर भारत की आलोचना हो रही थी, लेकिन यहां स्पिनरों के दबदबे ने भारत को मजबूती दी है। हाल ही में आईएलटी–20 की मेजबानी करने वाले दुबई के इस मैदान की पिचें अब ताजा नहीं है जिससे स्पिनरों को मदद मिल रही है।

कीवियों को भी परेशान कर सकते हैं भारतीय स्पिनर्स

भारत ने दो मैचों में जडेजा, अक्षर और कुलदीप को उतारा और तीनों प्रभावी रहे हैं। उन्होंने बीच के ओवरों में बल्लेबाजों को खुलकर रन नहीं बनाने दिए और इकोनॉमी रेट पांच से नीचे ही रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ मोहम्मद रिजवान और सऊद शकील की शतकीय साझेदारी के बावजूद 11वें से 34वें ओवर में ये बल्लेबाज अधिक रन नहीं बना सके। पाकिस्तानी बल्लेबाज लगातार नौ ओवरों तक चौका नहीं लगा पाए थे। न्यूजीलैंड के पास हालांकि केन विलियमसन, विल यंग, टॉम लाथम, डेवोन कॉनवे जैसे स्पिन को बखूबी खेलने वाले बल्लेबाज हैं।

रोहित और शमी दोनों को आराम दिया जा सकता है

भारत जीत की लय को कायम रखना चाहेगा, लेकिन सेमीफाइनल से पहले कप्तान रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी को आराम दिया जा सकता है। पाकिस्तान के खिलाफ रोहित को गर्मी से असहज महसूस हो रहा था और वह 20 मिनट तक मैदान से बाहर रहे। बल्लेबाजी में हालांकि उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई। वैसे इस मैच में कुछ दाव पर नहीं लगा है लिहाजा रोहित को ब्रेक दिया जा सकता है। ऐसे में ऋषभ पंत को टूर्नामेंट में पहला मैच खेलने का मौका मिल सकता है।

अर्शदीप बाएं हाथ के बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं

शमी को भी पिंडली में परेशानी हो रही थी और उन्हें भी रिकवरी ब्रेक मिल सकता है। ऐसे में अर्शदीप उनकी जगह आ सकते हैं और चक्रवर्ती को कुलदीप की जगह उतारा जा सकता है। न्यूजीलैंड की टीम में पांच बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और अर्शदीप उनके खिलाफ घातक साबित हो सकते हैं। शुक्रवार को अभ्यास सत्र में उन्होंने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल के साथ काफी अभ्यास किया और 13 ओवर डाले थे। शमी ने छोटे रनअप के साथ सिर्फ छह सात ओवर फेंके।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग–11

भारतः रोहित शर्मा/ऋषभ पंत, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव/वरुण चक्रवर्ती, मोहम्मद शमी/अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, रवींद्र जडेजा।

न्यूजीलैंडः मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, मैट हेनरी, टॉम लाथम, विल ओ'रूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, केन विलियमसन, विल यंग, काइल जेमीसन।

अफगानिस्तान अगले दशक में आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकता है : डेल स्टेन

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन का मानना है कि तेजी से आगे बढ़ रही अफगानिस्तान की टीम के खिलाड़ी अगर मैदान पर सयंम से खेलना सीख लें तो अगले दशक में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का सीमित ओवर का टूर्नामेंट जीत सकती है। अफगानिस्तान की टीम 2023 वनडे विश्व कप में नॉकआउट में जगह बनाने के करीब पहुंच गई थी जिसमें उसने पूर्व चौंपियन इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया था। पिछले साल के टी20 विश्व कप में टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया को बाहर कर दिया था। अपने देश में युद्ध और अस्थिरता के बावजूद अफगानिस्तान क्रिकेट टीम अब सफेद गेंद के टूर्नामेंट में मजबूत टीम बन गई है। स्टेन ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' से कहा, ''हम ऐसे समय में जी रहे हैं जिसमें लोग इतने संयमित नहीं हैं। हम इंस्टाग्राम स्टोरी को भी महज मुश्किल से दो सेकेंड देख पाते हैं और ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान के खिलाड़ी भी क्रिकेट खेलते समय ऐसे ही होते हैं।'' उन्होंने कहा, ''संयम सबसे बड़ी चीज में से एक है जिसे अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को सीखने की जरूरत है। और एक बार जब वे ऐसा कर लेंगे तो अगले दशक में वे निश्चित रूप से आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकते हैं।'' स्टेन ने कहा, ''वे चाहते हैं कि चीजें इतनी जल्दी हो जायें कि हर गेंद विकेट लेने वाली होनी चाहिए। पारी बनाते हुए और विकेट लेने के लिए संयम नहीं है।

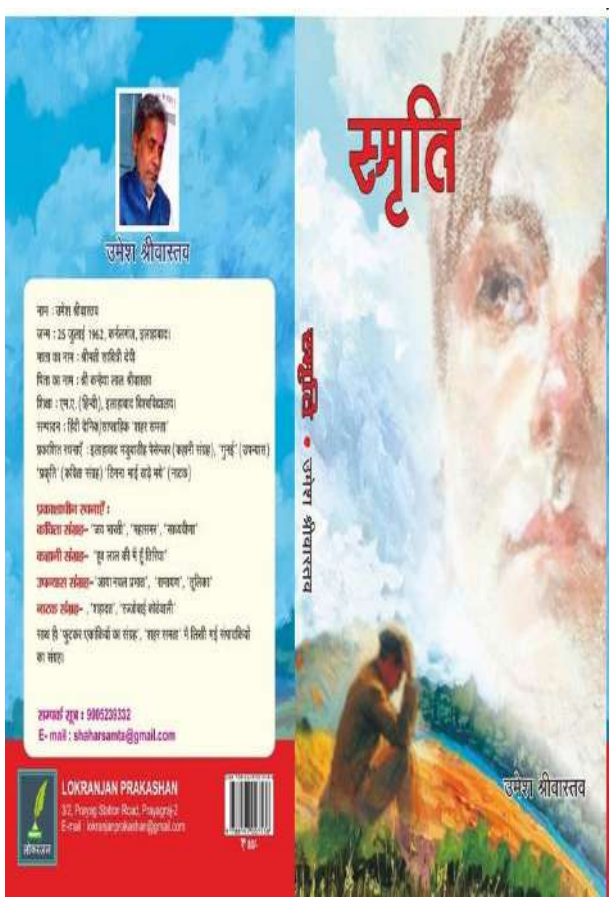

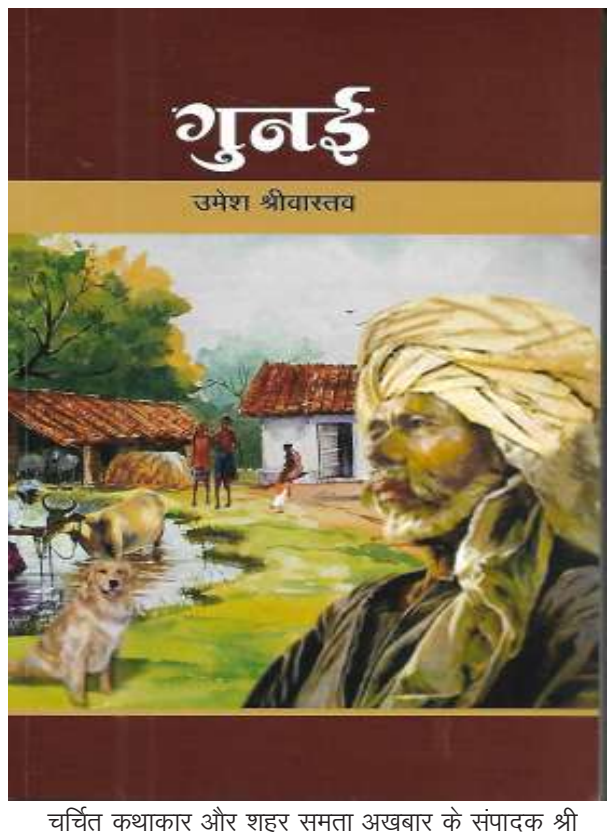

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

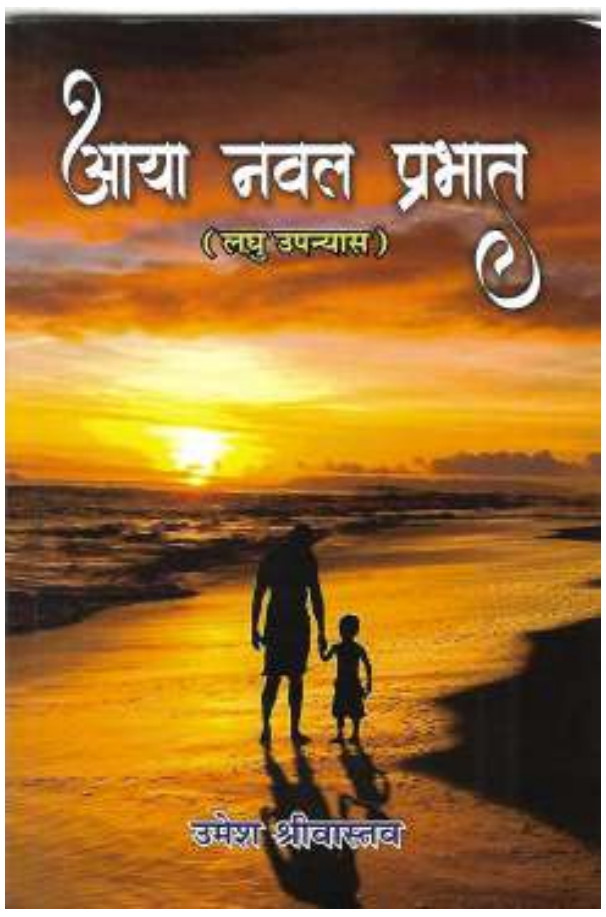

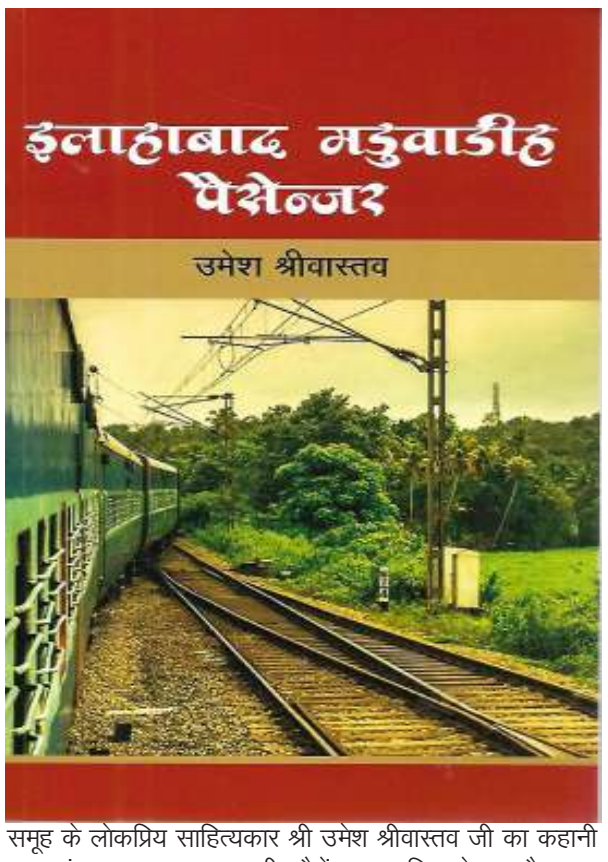

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

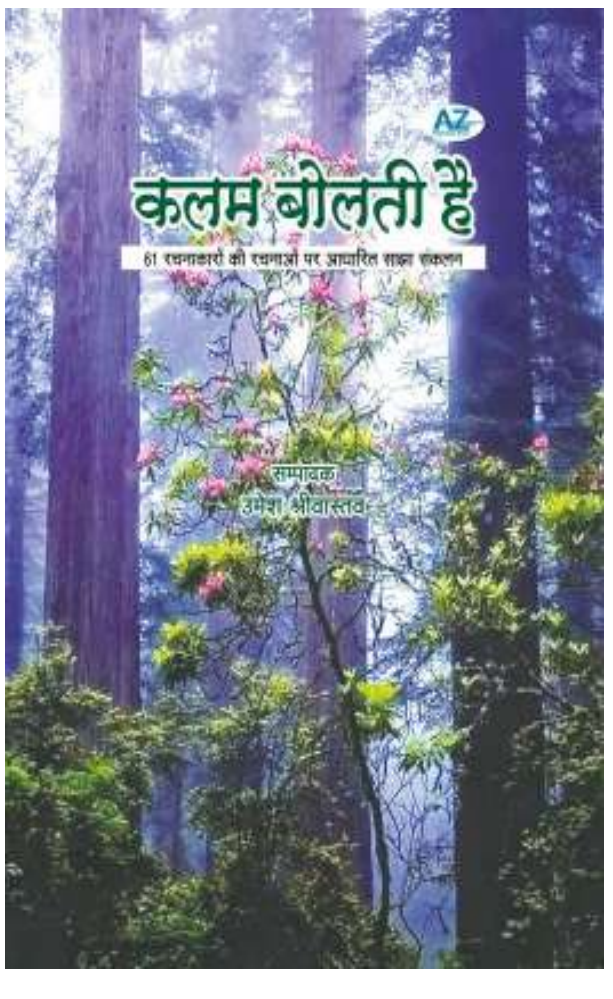

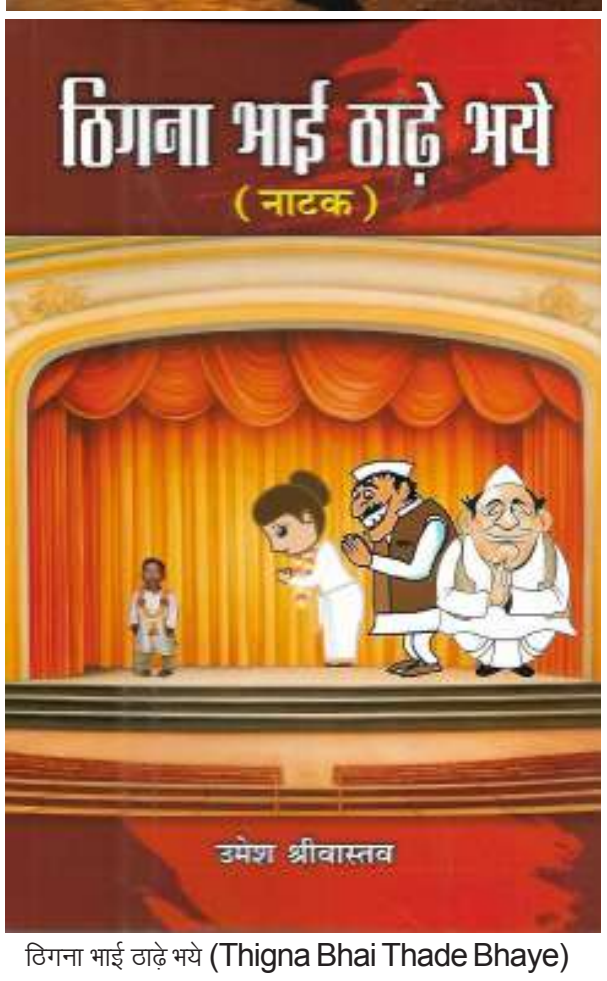

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान का कर घाटा चालू वित्त वर्ष में बढ़कर 606 अरब पाकिस्तानी रुपये पर

इस्लामाबाद । पाकिस्तान का कर घाटा चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में बढ़कर 606 अरब पाकिस्तानी रुपये (189.45 अरब भारतीय रुपया) हो गया। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया कि ऐसे में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ किए गए वादों का उल्लंघन करने के लिए अधिकारियों पर दबाव बढ़ गया है। आईएमएफ ने पाकिस्तान को सात अरब

अमेरिकी डॉलर का कर्ज दिया है, लेकिन इसके लिए कर संग्रह बढ़ाने सहित सख्त शर्तें लगाईं हैं। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि संघीय राजस्व बोर्ड (एफबीआर) को जुलाई–फरवरी के कर संग्रह लक्ष्य 7,950 अरब पाकिस्तानी रुपये के मुकाबले 606 अरब पाकिस्तानी रुपये की भारी कमी का सामना करना पड़ा। पड़ोसी देश ने चालू वित्त वर्ष में जुलाई–फरवरी के दौरान अनंतिम रूप से 7,342 अरब पाकिस्तानी रुपये जमा किए। रिपोर्ट में कहा गया कि कर संग्रह में लगभग 28 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि हुई, लेकिन यह आईएमएफ के लक्ष्य 7,950 अरब पाकिस्तानी रुपये को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

चेक गणराज्य में मालगाड़ी पटरी से उतरी, रासायनिक पदार्थ के कारण लगी आग

चेक गणराज्य के पूर्वी क्षेत्र में एक मालगाड़ी के पटरी से उतर जाने के बाद उसके क्षतिग्रस्त टैंक में रखे कैंसरकारी रासायनिक पदार्थ 'बेंजीन' के कारण आग लग गई। यह दुर्घटना शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजे 'हुस्टोपेस नाद बेकवू' शहर में स्टेशन के पास हुई और आग लगने के कारण निकला काला धुआं दूर से दिखाई दे रहा था। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। इस दुर्घटना में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ है।

अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने बताया कि ट्रेन के 17 में से 15 टैंक में आग लग गई। प्रत्येक टैंक में लगभग 60 मीट्रिक टन जहरीला पदार्थ था। उन्होंने आग पर काबू पाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया और पड़ोसी स्लोवाकिया से उनके समकक्ष मदद के लिए पहुंच रहे हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि शहर में खतरनाक पदार्थों का स्तर सीमा से अधिक नहीं पाया गया है, लेकिन वहां तथा आसपास के शहरों एवं गांवों के निवासियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी खिड़कियां न खोलें तथा घर के अंदर ही रहें।

दक्षिणी चीन में नदी में पोत और नौका की टक्कर होने से कम से कम 11 लोगों की मौत

चीन के दक्षिणी हिस्से में एक नदी में तेल रिसाव को साफ करने वाले एक पोत ने एक छोटी नौका को टक्कर मार दी, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग लापता हैं। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार रात यह जानकारी दी। देश की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने बताया कि मंगलवार की सुबह हुनान प्रांत में युआनशुई नदी में हुई दुर्घटना के दौरान 19 लोग पानी में गिर गए जिनमें से तीन को उसी दिन बचा लिया गया। दुर्घटना उस स्थान पर हुई जहां नदी औसतन 60 मीटर (200 फुट) से अधिक गहरी और 500 मीटर (1,600 फुट) चौड़ी है। शिन्हुआ ने बताया कितलाश एवं बचाव अभियान जारी रखी। दुर्घटना में बचे एक व्यक्ति के रिश्तेदार ने शंघाई के समाचार पत्र 'द पेपर' को बताया कि नौका ही उनके गांव में आने–जाने का मुख्य साधन है। 'द पेपर' द्वारा प्राप्त एक वीडियो में तेल रिसाव को साफ करने वाला एक बड़ा पोत शांत पानी में नौका को पीछे से टक्कर मारता दिखाई दे रहा है। चीन की समाचार एजेंसी ने बुधवार को बताया कि पोत पर सवार तीन लोग पुलिस की जांच के दायरे में हैं और उनमें से कोई भी घायल नहीं हुआ है।

ट्रंप प्रशासन ने इजराइल को लगभग तीन अरब अमेरिकी डॉलर के हथियार बेचने को मंजूरी दी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने संसद (कांग्रेस) में समीक्षा की सामान्य प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए इजराइल को लगभग तीन अरब अमेरिकी डॉलर के हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी है। कांग्रेस को शुक्रवार देर शाम भेजी गई अधिसूचनाओं में विदेश मंत्रालय ने बताया कि उसने 2.04 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के 35,500 से अधिक एमके 84 और बीएलयू–117 बम और 4,000 'प्रीडेटर' आयुध की बिक्री संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि आपात स्थिति के कारण अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए इजराइल सरकार को तत्काल उपरोक्त रक्षा सामग्री और रक्षा सेवाएं बेचे जाने की आवश्यकता है इसलिए कांग्रेस की समीक्षा संबंधी अनिवार्यताओं से छूट ली जा रही है।'' मंत्रालय ने कहा कि हथियारों की आपूर्ति अगले साल से शुरू होगी। मंत्रालय ने यह भी कहा कि रुबियो ने इजराइल को 67 करोड़ 57 लाख अमेरिकी डॉलर मूल्य का अतिरिक्त गोला–बारूद बेचने को मंजूरी दी है, जिसकी आपूर्ति 2028 से आरंभ की जाएगी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ज़ेलेंस्की और ट्रम्प के टकराव के बाद यूक्रेन का खुल कर समर्थन करने आये यह देश

व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के टकराव ने वैश्विक दुनिया में हलचल पैदा कर दी है। जहां रूस ने ट्रंप के साथ झड़प को लेकर ज़ेलेंस्की का मज़ाक उड़ाया है और उन्हें ष्बेइमानष कहा है, वहीं कई देश यूक्रेनी राष्ट्रपति के समर्थन में सामने आए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को वलोडिमिर ज़ेलेंस्की पर जवाबी हमला किया, और गुस्से में यूक्रेनी नेता को ओवल ऑफिस में असाधारण मंदी के बाद व्हाइट हाउस से बाहर भेज दिया क्योंकि वह रूस के साथ शांति के लिए तैयार नहीं थे। लेकिन कुछ ऐसे भी देश हैं जिन्होंने इस पूरे घटनाक्रम के चलते यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की का समर्थन कियारू ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर ने एक्स पर कहा, ष्यूक्रेनी लोग 3 साल से अधिक समय से रूसी आक्रमणकारी के खिलाफ साहसपूर्वक अपने देश की रक्षा कर रहे हैं। मैंने व्यक्तिगत रूप से युद्ध क्षेत्र का दौरा किया और खुद देखा कि बलिदान कितने बड़े थे। हम सभी चाहते हैं कि यह युद्ध अंततः समाप्त हो। रूस आक्रामक है और इसलिए यूरोप न्यायपूर्ण और स्थायी शांति प्राप्त करने के लिए यूक्रेन के प्रयासों का समर्थन करता है! रूमेजंदकूपजीनातंपदम।ष रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण को ष्अवैध और अनुचितष बताते हुए, कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा, रूस ने अवैध रूप से और अनुचित तरीके से यूक्रेन पर आक्रमण किया। अब तीन वर्षों से, यूक्रेनियन साहस और लचीलेपन के साथ लड़ रहे हैं। उन्होंने एक्स पर कहा, ष्लोकतंत्र, स्वतंत्रता और संप्रभुता के लिए उनकी लड़ाई एक ऐसी लड़ाई है जो हम सभी के लिए मायने रखती है। कनाडा न्यायपूर्ण और स्थायी शांति हासिल करने के लिए यूक्रेन और यूक्रेनियन के साथ खड़ा रहेगा। स्लोवेनियाई राष्ट्रपति नतासा पिर्क मुसर ने एक्स पर कहा, स्लोवेनिया अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांतों और सम्मान को बरकरार रखता है। आज ओवल ऑफिस में हमने जो देखा वह इन मूल्यों और कूटनीति की नींव को कमजोर करता है। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन की संप्रभुता के समर्थन में दृढ़ता से खड़े हैं। हम दोहराते हैं, रूस आक्रामक है। यह जरूरी है कि हम लोकतांत्रिक आदर्शों का पोषण और सुरक्षा करें, यह सुनिश्चित करें कि वे वैश्विक मंच पर हमारे कार्यों और बातचीत में प्रतिबिंबित हों। यह यूरोप के लिए यूक्रेन में शांति के रास्ते पर आगे बढ़ने का समय है। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर, निष्पक्षता और सबसे ऊपर ... शालीनता के सम्मान के साथ। रोमानिया के अंतरिम राष्ट्रपति इली बोलोजन ने कहा, यूक्रेन की सुरक्षा यूरोप की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। हम सभी को अपने मूल्यों, स्वतंत्रता और शांति के लिए लड़ने के लिए एक साथ खड़े होने की जरूरत है। पोलिश प्रधान मंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा, आप अकेले नहीं हैं। यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा – यूरोपीय संघ के दो शीर्ष अधिकारी – ने एक संयुक्त पोस्ट में ज़ेलेंस्की से कहा, आपकी गरिमा यूक्रेनी लोगों की बहादुरी का सम्मान करती है। मजबूत बनो, बहादुर बनो, निडर बनो। तुम कभी अकेले नहीं हो, उन्होंने कहा। हम न्यायसंगत और स्थायी शांति के लिए आपके साथ काम करना जारी रखेंगे। निवर्तमान जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ ने कहा, ष्यूक्रेनियों से अधिक कोई भी शांति नहीं चाहता है। पिछले रविवार के आम चुनाव में उनकी पार्टी की जीत के बाद स्कोल्ज़ के संभावित उत्तराधिकारी फ्रेडरिक मर्ज़ ने पोस्ट किया, हम अच्छे और परीक्षण के समय में रुयूक्रेन के साथ खड़े हैं। हमें इस भयानक युद्ध में कभी भी आक्रामक और पीड़ित को भ्रमित नहीं करना चाहिए। इटली की प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने अपनी प्रतिक्रिया में संतुलन बनाने की कोशिश की। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय देशों और सहयोगियों को शामिल करते हुए एक शिखर सम्मेलन का सुझाव दिया जिसमें चर्चा की जाए कि ष्आज की बड़ी चुनौतियों से कैसे निपटा जाए, जिसकी शुरुआत यूक्रेन से की जाए। मेलोनी ने एक बयान में कहा, पश्चिम का हर विभाजन हम सभी को कमजोर बनाता है और उन लोगों का पक्ष लेता है जो हमारी सभ्यता का पतन देखना चाहते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार बेल्जियम, क्रोएशिया, चेक गणराज्य, एस्टोनिया, फिनलैंड, आयरलैंड, लातविया, लिथुआनिया, लक्ज़मबर्ग, नीदरलैंड, पुर्तगाल, स्लोवेनिया, स्पेन और स्वीडन के नेता भी यूक्रेन के लिए समर्थन व्यक्त करने वालों में से थे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने एक्स पर कहा, एक आक्रामक हैः रूस। एक लोग हैं जिन पर हमला हो रहा हैरू यूक्रेन। उन लोगों के लिए सम्मान, जो शुरू से ही लड़ रहे हैं। क्योंकि वे अपनी गरिमा, अपनी स्वतंत्रता, अपने बच्चों के लिए और यूरोप की सुरक्षा के लिए लड़ रहे हैं।

ट्रम्प–ज़ेलेंस्की के बीच बहस से गदगद हुआ रूस, यूक्रेनी राष्ट्रपति पर जमकर साधा निशाना

व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके यूक्रेनी समकक्ष वोलोडोमिर ज़ेलेंस्की के बीच आश्चर्यजनक बहस के बाद, रूस के क्रेमलिन से अमेरिकी नेता के लिए समर्थन आया। ज़ेलेंस्की के अचानक चले जाने और अपनी यात्रा को छोटा करने के साथ तीखी नोकझोंक समाप्त होने के बाद रूसी अधिकारियों और राज्य मीडिया ने संतुष्टि के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने टिप्पणी की कि ट्रम्प ने बातचीत के दौरान ज़ेलेंस्की पर शारीरिक हमला न करके ष्संयमष दिखाया। ज़खारोवा ने टेलीग्राम पर लिखा, ''मुझे लगता है कि ज़ेलेंस्की के सभी झूठों में सबसे बड़ा झूठ व्हाइट हाउस में उनका दावा था कि 2022 में कीव शासन अकेला था, बिना किसी समर्थन के।'' उन्होंने आगे कहा, ''ट्रम्प और वेंस उस बदमाश को मारने से कैसे पीछे हट गए, यह संयम का चमत्कार है।'' उन्होंने आगे कहा कि ज़ेलेंस्की उस हाथ को काट रहा था जो उसे खाना खिलाता है। ज़खारोवा ने ज़ेलेंस्की को सभी के लिए अप्रिय भी कहा। सबसे कड़ी टिप्पणी रूस की सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख और पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव की ओर से आई। मेदवेदेव अपनी प्रतिक्रिया देने से पीछे नहीं हटे, उन्होंने ज़ेलेंस्की को एक ष्ढीठ सुअरष कहा, जिसे ष्ओवल ऑफिस में उचित थप्पड़ष मिला था। उन्होंने कहा कि पहली बार, ट्रम्प ने कोकीन विदूषक को उसके चेहरे पर सच्चाई बताई। कीव शासन तीसरे विश्व युद्ध के साथ खेल रहा है। और कृतघ्न सुअर को सुअरबाड़े के मालिकों से कलाई पर एक जोरदार थप्पड़ मिला। यह उपयोगी है। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है – हमें नाज़ी मशीन को सैन्य सहायता रोकनी होगी। रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष के प्रमुख किरिल दिमित्रीव ने उग्र आदान–प्रदान को ऐतिहासिकष बताया। दिमित्रीव, जो 18 फरवरी को सऊदी अरब में आयोजित रूसी–अमेरिकी वार्ता में मास्को के वार्ताकारों में से एक थे, ने टकराव को अमेरिकी नीति में बदलाव का संकेत बताया। रूस की अंतर्राष्ट्रीय मानवीय सहयोग एजेंसी के प्रमुख येवगेनी प्रिमाकोव ने ज़ेलेंस्की पर टकराव के मद्देनजर हिंसा भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया। प्रिमाकोव ने टेलीग्राम पर लिखा, ष्हर किसी ने सब कुछ देखा। मैं केवल उस पर ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा जो कीव शासन की प्रकृति में हैरू उकसावे, खूनी उकसावे।

लंदन उच्च न्यायालय ने भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ संजय भंडारी की अपील स्वीकार की

लंदन उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को संजय भंडारी की भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील मंजूर कर ली। रक्षा क्षेत्र के सलाहकार भंडारी पर कथित कर चोरी और धनशोधन के आरोप हैं। लॉर्ड न्यायमूर्ति टिमोथी होलोयडे और न्यायमूर्ति करेन स्टेन ने पिछले साल दिसंबर में सुनवाई के बाद मानवाधिकार के आधार पर 62 वर्षीय व्यवसायी की अपील को स्वीकार करते हुए अपना फैसला सुनाया। अदालत ने अब नवंबर 2022 में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले के आधार पर भारत में आपराधिक कार्यवाही का सामना करने के लिए तत्कालीन ब्रिटिश गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन के प्रत्यर्पण आदेश से उन्हें ''मुक्त'' करने का आदेश दे दिया है। फैसले में कहा गया, ''उपलब्ध कराए गए सभी साक्ष्यों और सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए, जिसमें नए साक्ष्य भी शामिल हैं, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि तिहाड़ जेल में अपीलकर्ता (भंडारी) को अन्य कैदियों और/या जेल अधिकारियों से धमकी या वास्तविक हिंसा के साथ जबरन वसूली का वास्तविक खतरा होगा।'' अपील इस आधार पर स्वीकार की गई कि भंडारी का प्रत्यर्पण यूरोपीय मानवाधिकार संधि (ईसीएचआर) के अनुच्छेद 3 के तहत उसके अधिकारों के अनुरूप नहीं होगा, जो कि प्रत्यर्पित किए जाने पर दिल्ली की तिहाड़ जेल में उसे कैद रखने और जेल में पुलिस तथा अन्य जांच निकायों द्वारा उसके साथ किए जाने वाले व्यवहार के संबंध में भारत सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन पर आधारित है। फैसले में कहा गया, ''उनके खिलाफ आरोपों की प्रकृति और भारत में उनके संबंध में प्रचार इस तरह का है कि उन्हें (कम से कम) एक बहुत अमीर व्यक्ति माना जाएगा और इसलिए जबरन वसूली के लिए प्रमुख लक्ष्य होंगे।

रवैबर परख्तूनख्वा में मदरसे में बम हमले में प्रमुख मौलाना सहित छह लोगों की मौत

रमजान के महीने से पहले उत्तर–पश्चिमी पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत स्थित एक मदरसे में जुमे की नमाज के दौरान आत्मघाती हमलावर द्वारा किए गए विस्फोट में प्रमुख मौलाना सहित छह नमाजियों की मौत हो गई जबकि 18 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्य सचिव शहाब अली शाह ने पुष्टि की है कि विस्फोट में जमीयत उलेमा इस्लाम (जेयूआई) के प्रमुख एवं नौशेरा जिले के अकोरा खट्टक शहर स्थित मदरसा–ए–हक्कानिया के कार्यवाहक हमीदुल हक हक्कानी की मौत हो गई। हमीदुल हक का जन्म 1968 में हुआ था और उनके पिता मौलाना समी उल हक की मौत हो जाने के बाद उन्हें जेयूआई (सामी समूह) का प्रमुख बनाया गया था। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) जुल्फिकार हमीद ने बताया कि पुलिस को संदेह है कि इस हमले को आत्मघाती बम हमलावर के जरिए अंजाम दिया गया और हमीदुल हक ही निशाने पर थे। उन्होंने कहा, ''हमने हमीदुल हक को छह सुरक्षा गार्ड मुहैया कराए थे।'' आईजीपी ने बताया कि अभी तक किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हमीदुल हक के जनाजे की नमाज शनिवार को पूर्वाह्न 11 बजे अकोरा खट्टक में अदा की जाएगी। नौशेरा के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) अब्दुर रशीद ने बताया कि मदरसे में जुमे की नमाज अदा करने के दौरान यह विस्फोट हुआ। दारुल उलूम हक्कानिया मदरसा सुन्नी इस्लाम के हनफी देवबंदी विचार का प्रचार करता है और मौलाना अब्दुल हक ने भारत के दारुल उलूम देवबंद मदरसे की तर्ज पर ही उक्त मदरसे की स्थापना की थी। इस मदरसे की शिक्षण पद्धति की विषय–वस्तु के कारण इसे ''जिहाद का विश्वविद्यालय'' कहा जाता है। तालिबान के पूर्व प्रमुख अख्तर मंसूर सहित आतंकी संगठन के कई प्रमुख सदस्यों ने इस मदरसे में पढ़ाई की है। बचाव दल ने घटनास्थल पर पहुंचकर शवों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। नौशेरा और पेशावर दोनों अस्पतालों में आपात स्थिति घोषित कर दी गयी है। नौशेरा के डीसी इरफानुल्लाह महसूद के अनुसार, हमीदुल हक को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, साथ ही उनके बेटे अब्दुल हक थानी सहित चार अन्य घायल हो गए। वहां हमीदुल हक की मौत हो गई, जबकि उसके बेटे को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। अधिकारियों के अनुसार, हमले में 18 लोग घायल हुए हैं और मारे गए लोगों में से दो की पहचान नहीं हो सकी है। जमीयत उलेमा–ए–इस्लाम के नेताओं ने लोगों से घायलों के लिए रक्तदान करने की अपील की है। आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) ने मामला दर्ज कर लिया है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन खान गंडापुर ने इस घटना की निंदा की और संबंधित अधिकारियों को एक व्यापक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। गंडापुर ने मदरसे पर किए गये इस हमले को निर्दोष लोगों की हत्या करने का अमानवीय कृत्य करार दिया।

14वें बच्चे के पिता बनें एलन मस्क, शिवोन ज़िलिस के साथ उनकी चौथी औलाद

एलन मस्क ने अपने 14वें बच्चे का स्वागत किया, जो शिवोन ज़िलिस के साथ उनका चौथा बच्चा भी है। ज़िलिस ने शुक्रवार को यह खबर सार्वजनिक की कि वे बच्चे सेल्डन लाइकर्गस के माता–पिता बन गए हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उसका जन्म कब हुआ। उनकी एक्स पोस्ट में कहा गया है, एलन के साथ चर्चा की और खूबसूरत आर्केडिया के जन्मदिन के मद्देनजर, हमें लगा कि हमारे अद्भुत और अविश्वसनीय बेटे सेल्डन लाइकर्गस के बारे में सीधे साझा करना बेहतर होगा। एक रथ की तरह बना हुआ, सोने जैसा ठोस दिल वाला। उससे बहुत प्यार करता हूँ। न्यूरालिंक के कार्यकारी और एलन मस्क के साथी शिवोन ज़िलिस ने सोशल मीडिया पर अपने बेटे के नाम की पुष्टि की है। र पर एक पोस्ट में, ज़िलिस ने अपने तीसरे बच्चे अर्काडिया का पहला जन्मदिन मनाते हुए यह खुलासा किया। विशेष रूप से, ज़िलिस और मस्क ने अब तक अपने तीसरे और चौथे बच्चे की पहचान गुप्त रखी है। सेल्डन उनका चौथा बच्चा है। रिपोर्टों के अनुसार, दंपति ने 2024 की शुरुआत में अपने तीसरे बच्चे, अर्काडिया का स्वागत किया। यह प्रभावशाली एशले सेंट क्लेयर द्वारा दावा किए जाने के बाद आया है कि उन्होंने पांच महीने पहले एलन मस्क के बच्चे को जन्म दिया था और उनके पूर्व साथी ग्रिम्स ने उन पर अपने बच्चे की चिकित्सा आवश्यकताओं की उपेक्षा करने का आरोप लगाया था। अपने पोस्ट में, ज़िलिस ने साझा किया कि उन्होंने और मस्क ने अपने बेटे को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने का फैसला किया है। एलन के साथ चर्चा की, और खूबसूरत आर्केडिया के जन्मदिन के मद्देनजर, हमें लगा कि हमारे अद्भुत और अविश्वसनीय बेटे, सेल्डन लाइकर्गस के बारे में सीधे साझा करना बेहतर होगा। एक रथ की तरह निर्मित, सोने के ठोस दिल के साथ। उससे बहुत प्यार करता हूँष उसने लिखा। टेस्ला के सीईओ ने कम से कम 12 बच्चों को जन्म दिया है, जिनमें ज़िलिस के साथ चार, जुड़वाँ स्ट्राइडर और एज़योर, आर्केडिया और अब सेल्डन शामिल हैं। अब तक, उनके तीसरे बच्चे का नाम और लिंग सार्वजनिक रूप से प्रकट नहीं किया गया था। एलन मस्क का पालन–पोषण का इतिहास एक पेचीदा जाल है।

उन्होंने कहा कि इस क्रूरता की

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।